पटना ● शनिवार, 21 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः251 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

उड़ान परियोजना ने किशोर... 3 www. bordernewsmirror.com शोभिता धुलिपाला की... 8

रूस और पाकिस्तान में दोस्ती, भारत के लिए टेंशन

● पुतिन का महाकॉरिडोर प्लान, हिंद महासागर तक होगी सीधी पहुंच

मास्को (एजेंसी)। पाकिस्तान और रूस तथा बेलारूस के बीच रिश्ते और ज्यादा मजबूत होने जा रहे हैं। पाकिस्तान अब सीधे रूस और बेलारूस से सड़क मार्ग से जुड़ने जा रहा है। यह मल्टी मॉडल कॉरीडोर बेलारूस, रूस, कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, अफगानिस्तान से होते हुए पाकिस्तान तक पहुंचेगा। इससे रूस आगे चलकर पाकिस्तान के रास्ते सीधे हिंद महासागर के बंदरगाहों से जुड़ जाएगा। पाकिस्तान इस मल्टीमॉडल कॉरिडोर से

जुड़ गया है। उज्बेकिस्तान के ट्रांसपोर्ट मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। उसने बताया कि इस समझौते के बाद व्यापार, आर्थिक रिश्ते मजबूत हो जाएंगे तथा सामान का इस इलाके में आना जाना आसान हो जाएगा। इस तरह से पाकिस्तान उस इंटरनेशन नार्थ साउथ ट्रांसपोर्ट गलियारे से भी जुड़ जाएगा जो रूस को भारत से जोड़ने जा रहा है। आईएनएसटीसी कुल 7200 किमी लंबा मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क होगा जो भारत को ईरान के रास्ते रूस से रेल, सड़क और जलमार्ग से जोड़ेगा।

प्रधानमंत्री को बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए:प्रियंका गांधी

● खड़गे की बजाय खुद लेटर लिखते, शिष्टाचार से बढ़कर कोई नहीं होता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेपी नड्डा के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजे गए लेटर की प्रियंका गांधी ने आलोचना की। प्रियंका ने कहा- प्रधानमंत्री की अगर बुजुर्गों का सम्मान करने में आस्था होती तो वह खुद लेटर

का जवाब देते। पीएम मोदी ने जेपी नड्डा से लेटर भिजवाकर उनका अपमान किया। आखिर 82 साल के एक सीनियर लीडर को नीचा दिखाने की क्या जरूरत थी। यह लेटर विवाद 17 सितंबर को शुरु हुआ था। जब खड़गे ने पीएम मोदी को लेटर लिखकर कहा था कि भाजपा और सहयोगी दलों के नेता लगातार राहुल गांधी के लिए बेहद आपत्तिजनक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। आपसे आग्रह है कि ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं। एक दिन बाद जेपी नड्डा ने भी लेटर लिखकर जवाब दिया। उन्होंने लिखा- जिस व्यक्ति का इतिहास ही देश के प्रधानमंत्री समेत पूरे ओबीसी समुदाय को चोर कहकर गाली देने का रहा हो।

भारत ने तरेरी आंखें तो गिड़गिड़ाने लगा पाकिस्तान

● सिंधु जल संधि का सम्मान करने का किया आग्रह

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सिंधु जल संधि की समीक्षा लेकर भारत द्वारा भेजे गए औपचारिक नोटिस का जवाब पाकिस्तान से आ गया है। इस्लामाबाद की तरफ से कहा गया है कि वह इस समझौते को महत्वपूर्ण मानता है और उम्मीद करता है कि भारत भी इसके प्रावधानों का पालन करेगा। दरअसल, पाकिस्तान का यह जवाब भारत के उस नोटिस के बाद आया है जो 30 अगस्त को भेजा गया था। भारत की तरफ से भेजे गए इस नोटिस में 64 साल पुराने समझौते की समीक्षा की मांग की गई थी। इसका कारण भारत ने तब से लेकर अब तक परिस्थितियों में बदलाव और पाकिस्तान द्वारा लगातार फैलाए जा रहे

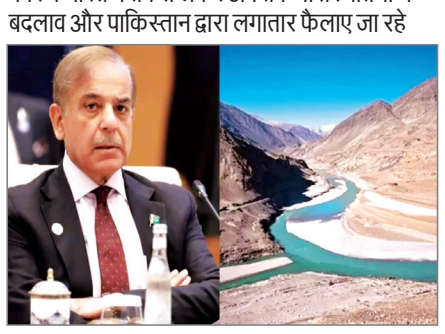

सीमा पार के आतंकवाद का हवाला दिया था। भारत के नोटिस का जवाब देते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता जहरा बलूच ने कहा कि पाकिस्तान सिंधु जल संधि को महत्वपूर्ण मानता है और उम्मीद करता है कि भारत भी इसके प्रावधानों का पालन करेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सिंधु जल धाराओं का एक तंत्र है और संधि से जुड़े सभी मुद्दों पर इसमें चर्चा की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि संधि से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए कोई भी कदम समझौते के प्रावधानों के तहत ही उठाया जाना चाहिए। पाकिस्तान उस समझौते में संशोधन में रुचि नहीं रखता है।

तिरुपति के लड्डू में एनिमल फैट का मामला गरमाया

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंध्र सरकार से मांगी रिपोर्ट

मंदिर ने जांच कमेटी बनाई, टीडीपी बोली-फिश ऑयल था

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पिछली सरकार के मुखिया जगन मोहन रेड्डी पर आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में तिरुपति मंदिर में प्रसाद के लिए बनाए जाने वाले लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाले घी में जानवरों की चर्बी मिली। इसको लेकर पूरे देश में बवाल मच गया। टीडीपी ने इसे हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया, तो वहीं बढ़ते विवाद के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

जेपी नड्डा ने कहा है कि उन्होंने इस मुद्दे पर चंद्रबाबू नायडू से जानकारी मांगी है। दरअसल, तिरुपति प्रसादम विवाद पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, इस बारे में जानकारी मिलने के बाद मैंने आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू से बात की और उनसे विस्तृत जानकारी ली। मैंने उनसे उपलब्ध रिपोर्ट साझा करने को कहा है ताकि मैं इसकी जांच कर सकूं। मैं राज्य नियामकों से भी बात करूंगा और इसकी जांच करूंगा। खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मैंने रिपोर्ट

मांगी है और हम इसकी जांच करेंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि इस घी की कीमत 20,000 करोड़ रुपये है और इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए। पिछली सरकार ने श्रीजा से घी नहीं खरीदा, जो दुनिया की सबसे बड़ी महिला स्वामित्व वाली संस्था है। सीबीआई को इसकी जांच करनी चाहिए कि घी किस कीमत पर खरीदा गया और चर्बी युक्त घी क्यों खरीदा गया। इसके अलावा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि हिंदू समुदाय के साथ घोर अन्याय है।

200 दिन में 30 लाख करोड़ की योजनाओं की प्लानिंग

मोदी 3.0 के अगले 100 दिन होंगे और 'खास', बड़ी तैयारी

15 लाख करोड़ की योजनाएं फिर होंगी शुरू, बन गया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी 3.0 यानी मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन में 15 लाख करोड़ की योजनाओं की शुरुआत हुई। अब अगले 100 दिन में फिर इतनी ही राशि की योजनाओं की शुरुआत होगी। यानी 200 दिन में 30 लाख करोड़ योजनाओं पर खर्च करने का खाका तैयार किया गया है। पीएमओ के सूत्रों का कहना है, हर मंत्रालय से बड़े पैमाने पर योजनाओं पर खर्च करने को कहा गया है। ज्यादा पैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर व किसानों-गरीबों पर खर्च होंगे। हॉस्पिटैलिटी, टूरिज्म, आदिवासी रेल कॉरिडोर, लखपति दीदी, साइबर और मरीन यूनिवर्सिटी की स्थापना, न्यू मेडिकल कॉलेज और तकनीकी एजुकेशन हब जैसी मदों पर भी अगले 100 दिन में बड़े पैमाने पर खर्च होंगे। दुबई का 'भारत मार्ट' गेमचेंजर, यहां उद्यमियों को टैक्स नहीं देना होगा एक सेक्रेटरी का कहना है कि पोर्ट कनेक्टिविटी, नए एयरपोर्ट, ईवी, सेमीकंडक्टर, सड़क, वाटर एयरपोर्ट, एग्रीकल्चर एंड एग्री प्रोडक्ट्स, हेल्थ, एजुकेशन और हॉस्पिटेलिटी सेगमेंट के लिए अगले 100 दिनों में नई घोषणाएं होंगी। सूत्रों के मुताबिक, इसका उद्देश्य तेज आर्थिक विकास और विदेशी इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देना है। दुनियाभर के इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में इन्वेस्टर बड़े निवेश के लिए संभावित जगह तलाश रहे हैं। वे इन्वेस्टमेंट वहीं करना चाहते हैं, जहां विकास कार्य तेजी से चल रहा हो। इसीलिए 100 दिनों में जो 15 हजार करोड़ की योजनाएं शुरू हुई हैं, उसे अगले 100 दिन तक और जारी रखना जरूरी है। पीएमओ से जुड़े एक अधिकारी का कहना है कि सभी मंत्रालयों से कहा गया है कि वे न्यू आइडिया पर काम कर योजना तैयार करें और उसकी मंजूरी लें।

हरियाणा में 'लाडली वोटर' पर भाजपा-कांग्रेस मेहरबान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों का घोषणापत्र सामने आ चुका है। दोनों पार्टियों ने महिला वोटरों को लुभाने के लिए जमकर वादे किए हैं। इसमें महिलाओं को तमाम तरह के फायदे पहुंचाने की बात कही गई है।

अन्य वर्गों के लिए भी घोषणाओं की भरमार है, लेकिन महिला वोटरों पर फोकस ज्यादा है। इसमें महिलाओं को मासिक भत्ता देने का ऐलान सबसे खास है। जहां भाजपा ने लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2100 रुपए देने की बात कही है। वहीं, कांग्रेस भी बहुत पीछे नहीं है। कांग्रेस ने महिलाओं के लिए दो हजार रुपए मासिक भत्ते का ऐलान किया है।

सुप्रीम कोर्ट को पसंद नहीं आई 'एचसी' के जज साहब की बात

● पाकिस्तान वाली टिप्पणी पर जमकर भड़का, रिपोर्ट भी की तलब

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु को मुस्लिम बहुल इलाके को पाकिस्तान कहने वाले हाईकोर्ट के जज वी श्रीशानंद की टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट को पसंद नहीं आई है। खबर है कि शीर्ष न्यायालय ने इस संबंध में कर्नाटक हाईकोर्ट से रिपोर्ट भी तलब की है। एपेक्स कोर्ट का कहना है कि अदालत में न्यायाधीशों की तरफ से की जाने वाली टिप्पणियों के लिए दिशानिर्देशों की जरूरत है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच जजों की बेंच ने माना है कि टिप्पणियों के संबंध में स्पष्ट दिशानिर्देशों की जरूरत है। बेंच में जस्टिस एस खन्ना, जस्टिस बीआर गवाई, जस्टिस एस कांत, जस्टिस एच रॉय शामिल थे। शीर्ष न्यायालय का कहना है कि जब अदालत की कार्यवाही पर सोशल मीडिया की

नजर है, तो यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि न्यायिक टिप्पणियां डेकोरम के अनुरूप हों। शीर्ष न्यायालय ने कहा, कर्नाटक हाईकोर्ट के जज जस्टिस वी श्रीशानंद की तरफ से की गई कुछ टिप्पणियों को हमारी जानकारी में लाया गया है। हम एजी और एसजी से हमारा सहयोग करने के लिए कहते हैं।

आज से बंगाल के सरकारी अस्पतालों में बहाल होंगी सेवाएं

● मान गए प्रदर्शनकारी डॉक्टर, इमरजेंसी ड्यूटी पर लौटने का ऐलान ● आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का रजिस्ट्रेशन हुआ रद्द

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और मर्डर मामले के बाद प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स ने हड़ताल खत्म करने का ऐलान किया है। डॉक्टर्स कल शनिवार से काम पर वापस लौटेंगे। हालांकि, अभी इमरजेंसी सेवाएं ही खुलेंगी, जबकि ओपीडी सेवाएं चालू नहीं होंगी। जूनियर डॉक्टर्स 9 अगस्त की रेप की घटना के बाद से ही विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार से कोलकाता पुलिस कमिश्नर को हटाए जाने समेत पांच मांगें रखी थीं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद डॉक्टर्स की ज्यादातर मांगों को मान लिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने भी मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए डॉक्टर्स से काम पर वापस लौटने के लिए कहा था। आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कहा, शनिवार से बंगाल के सरकारी अस्पतालों में आपातकालीन,

आवश्यक सेवाएं आंशिक रूप से बहाल होंगी। बंगाल में बाढ़ प्रभावित लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा,न्याय के लिए हमारी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों में से एक डॉ. अकीब ने कहा कि वे विरोध को अलग तरीके से लेंगे। विरोध के 41वें दिन, उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट यह कहना चाहता है कि हमने अपने आंदोलन के दौरान बहुत कुछ हासिल किया है, लेकिन कई चीजें अभी भी हासिल नहीं हुई हैं... हमने कोलकाता के पुलिस आयुक्त और डीएमई, डीएचएस को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आंदोलन खत्म हो गया है। हम इसे नए तरीके से आगे बढ़ाएंगे। अकीब ने कहा, हम अभी भी मांग करते हैं कि प्रमुख सचिव को हटाया जाए। गुरुवार को ही पश्चिम बंगाल सरकार ने डॉक्टरों की सुरक्षा और कुशल कामकाज पर निर्देशों की एक सूची जारी करते हुए कहा है कि इन्हें तुरंत लागू करने की जरूरत है। ये निर्देश सरकार द्वारा इन्हीं मुद्दों पर आंदोलनरत कनिष्ठ चिकित्सकों के साथ बैठक के एक दिन बाद जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव मनोज पंत द्वारा प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) एन एस निगम को भेजे गए दो पृष्ठों के पत्र में, स्वास्थ्य केंद्रों में ड्यूटी कक्ष,शौचालय सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता की आवश्यकता का उल्लेख है।

पेजर, वॉकी-टॉकी के बाद अब की धमाकेदार एयरस्ट्राइक

● इजराइल ने लेबनान पर किए 70 से ज्यादा हमले, दहशत का माहौल ● हिजबुल्लाह के 1000 रॉकेट बैरल तबाह,हथियार डिपो भी बर्बाद हुआ

बेरूत (एजेंसी)। लेबनान में पिछले तीन दिन से पेजर, वॉकी-टॉकी और फिर सोलर एनर्जी सिस्टम में धमाकों के बाद इजराइल ने गुरुवार रात दक्षिणी लेबनान में 70 हवाई हमले किए। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक गाजा युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल का लेबनान पर यह सबसे बड़ा हमला है। इजराइल डिफेंस फोर्स ने कहा कि उन्होंने लेबनान में हिजबुल्लाह के 100 से ज्यादा रॉकेट लॉन्चर्स पर हमला कर उन्हें बर्बाद कर दिया है। इनमें 1000 रॉकेट बैरल तबाह हो गए। आईडीएफ ने कहा कि हिजबुल्लाह इन हथियारों से इजराइल पर हमले की तैयारी में था। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह की कई इमारतों और एक हथियार डिपो को भी तबाह करने का दावा किया। इससे पहले लेबनान में 17-18 सितंबर को पेजर और वॉकी-टॉकी में धमाके हुए थे। इनमें 37 लोगों की मौत हो गई थी और 2300 लोग घायल हुए थे। लेबनान और हिजबुल्लाह ने इन हमलों के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है। आईडीएफ की सलाह- बम शेल्टरों के करीब रहें इजराइली नागरिक

हमले के बाद आईडीएफ ने नॉर्थ इजराइल में रह रहे नागरिकों के लिए गाइडलाइन भी जारी की है। इसमें उनसे बम शेल्टरों के करीब रहने के लिए कहा गया है। इसके अलावा इजराइली नागरिकों को बिना जरूरत सार्वजनिक जगहों पर इकट्ठा न होने की सलाह दी गई है।

महाराष्ट्र के नंदुरबार में धार्मिक जुलूस पर पथराव

● उपद्रवियों ने घर-गाड़ियों में आग लगाई, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नंदुरबार में धार्मिक जुलूस के दौरान दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। नंदुरबार पुलिस ने बताया कि गुरुवार को दोपहर 3 बजे मालीवाड़ा इलाके में एक धार्मिक जुलूस निकाला जा रहा था। इसी दौरान कुछ युवकों ने जुलूस निकालने वाले लोगों के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद दोनों गुटों में धक्का-मुक्की के बाद पथराव होने लगा। कुछ युवकों ने एक घर में आग लगा दी। उन्होंने एलपीजी सिलेंडरों को भी जलाने की कोशिश की। कुछ वाहनों में भी आग लगाई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर भी पथराव किया। पुलिस ने बताया कि पथराव में दो अधिकारी और पांच कांस्टेबल सहित 7 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। धुले से जवानों को बुलाया गया है। स्थिति देर रात तक नियंत्रण में आ गई है। संदिग्धों को हिरासत में लिया जा रहा है। केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। 18 सितंबर को कर्नाटक के दावणगेरे में 3 मिनट तक पथराव कर्नाटक के दावणगेरे में 18 सितंबर को गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव हुआ। पत्थरबाजी करीब 3 मिनट तक चली, जिसके बाद दोनों समुदायों के कुछ लोगों ने समझाइश देकर हालात संभाले। दवणगेरे पुलिस के मुताबिक वेंकटभावी गणेश विसर्जन जुलूस जब चामराज पेट सर्कल के पास पहुंचा तब सोशल मीडिया पर हुई आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर विवाद हुआ।

विस चुनाव के बीच अचानक हरियाणा पहुंचे राहुल गांधी

● अमेरिका में घायल हुए युवक के परिजन से मिले, परिवार से वीडियो कॉल का वादा निभाया

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच शुक्रवार को अचानक तड़के राहुल गांधी करनाल पहुंचे। यहां उन्होंने एक

युवक के परिवार से मुलाकात की, जिससे वह अपने अमेरिका दौरे के दौरान मिले थे। इतना ही नहीं, राहुल ने युवक के घर पहुंचकर उसे अमेरिका में वीडियो कॉल कर सबूत भी दिया। राहुल गांधी करनाल जिले के घोघड़ीपुर गांव में सुबह करीब साढ़े 5 बजे अचानक पहुंचे। राहुल के इस दौरे के बारे में न तो स्थानीय कांग्रेस नेताओं को सूचना थी, और न ही पुलिस प्रशासन को। वह इतनी सुबह अचानक पहुंचे कि सभी दंग रह गए। बात दें कि अमेरिका दौरे के दौरान राहुल गांधी की मुलाकात अमित कुमार नाम के एक लड़के से हुई थी। वह घोघड़ीपुर गांव का ही रहने वाला है। अमित का कुछ समय पहले अमेरिका में एक्सीडेंट हो गया था। इसके बाद वह अस्पताल में ही भर्ती है। अमेरिका में मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने अमित से वादा किया था कि वह जब वापस भारत जाएंगे तो उसके घरवालों से जरूर मिलकर आएंगे और युवक से वहां पहुंचकर वीडियो कॉलिंग भी करेंगे। राहुल गांधी अपने वादे के अनुसार आज सुबह घोघड़ीपुर में अमित कुमार के घर पहुंच गए। वहां वह अमित की मां बीरमती और पिता बीर सिंह से मिले।

बिहार में 1000 नए पुल बनाएगी केंद्र सरकार, 10 हजार किलोमीटर रोड की मरम्मत भी करेगी

पटना, एजेंसी। बिहार के ग्रामीण इलाकों के 1000 क्षतिग्रस्त पुलों की जगह नए ब्रिज के निर्माण में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार मदद करेगी। यही नहीं, केंद्र ने 10 हजार किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की मरम्मत का भी भरोसा नीतीश सरकार को दिया है। साथ ही बिहार के संपर्कता से छूटी 7209 बसावटों को पीएमजीएसवाई-4 में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बिहार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। गुरुवार को दिल्ली में बिहार के ग्रामीण सड़कों और पुलों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव शैलेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव अमित शुक्ला, निदेशक केएम सिंह, बिहार ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, अभियंता प्रमुख भगवत राम, पीएमजीएसवाई के नोडल पदाधिकारी कुमार राजीव रंजन मौजूद रहे।

इस बैठक में बिहार सराकर की ओर से ग्रामीण सड़कों पर लगभग 1000 क्षतिग्रस्त पुलों के स्थान पर नए पुल, नवसृजित कटाव के कारण प्रस्तावित पुल के साथ छूटे पुलों के निर्माण कराने का आग्रह किया गया।

इसके बाद ग्रामीण विकास मंत्रालय ने जिलावार संख्या, लंबाई एवं अनुमानित राशि की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश राज्य के पदाधिकारियों को दिया। बैठक में संपर्कता से छूटे 7209 बसावट और टोलों को सम्पर्कता प्रदान करने के लिए इन्हें पीएमजीएसवाई-4 में शामिल करने का अनुरोध किया गया। केंद्र सरकार ने इनके लिए 8283 किलोमीटर प्रस्तावित सड़क में से निर्धारित मापदंड के तहत आने वाली बसावटों-टोलों को संपर्कता प्रदान करने का निर्देश दिया। बैठक में बिहार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित एवं अपना निर्धारित समय पूर्ण कर चुके लगभग 10 हजार किलोमीटर सड़क के उन्नयन, मजबूतीकरण व चौड़ीकरण करने का आग्रह किया।

इसके बाद ग्रामीण विकास मंत्रालय ने राज्य के पदाधिकारियों को ऐसी सभी महत्वपूर्ण सड़कों के लिए विस्तृत विवरणी लंबाई के साथ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

निष्काम भाव से करें अपना कर्म : डॉ. अशोक

दरभंगा, एजेंसी। महारानी कल्याणी कॉलेज में एनएसएस इकाई तथा स्वामी विवेकानंद कैंसर अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर जागरूकता शिविर सह सेवा ही धर्म विषय पर गुरुवार को विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कैंसर अस्पताल के संस्थापक डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि हृदय रोग के बाद कैंसर रोग मानव मृत्यु का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। हृदय रोग की तुलना में कैंसर रोगी को अत्यधिक कष्ट झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमें अहंकार भाव से नहीं, बल्कि निष्काम भाव से कर्म करना चाहिए। पीड़ित मानवता की सेवा ही मानव का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कर्म होना चाहिए। डॉ. बीबी शाही ने कहा कि पान मसाला, गुटखा एवं खैनी आदि के अधिक सेवन के कारण दरभंगा में मुंह के कैंसर के मामले लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रारंभिक अवस्था में पता लगने से कैंसर का शत-प्रतिशत इलाज संभव है। डॉ. सुधाकर सिंह ने कहा कि एक सिगरेट पीने से मानव की औसतन आठ मिनट आयु कम हो जाती है। एनएसएस समन्वयक डॉ. आरएन चौरसिया ने कहा कि नियमित खेलकूद, व्यायाम, योग-प्राणायाम को अपनाने तथा मसाला, जंक एवं फास्ट फूड को त्याग कर अच्छी जीवनशैली जीने से कैंसर रोग को कम किया जा सकता है। लनामिवि के भूसंपदा पदाधिकारी डॉ. कामेश्वर पासवान ने छात्र- छात्राओं से खुद को कैंसर से बचाते हुए समाज को भी बचाने का आह्वान किया। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. मो. रहमतुल्लाह ने कैंसर से बचाव के विभिन्न तरीकों को अपने जीवन में अपनाने की छात्र-छात्राओं से अपील करते हुए कहा कि मन में करुणा का भाव लेकर समाजसेवा करना ही वास्तविक सेवाधर्म है। मौके पर परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

जलालगढ़ में पंचायत समिति की बैठक शांतिपूर्ण संपन्न

पूर्णिया, एजेंसी। जलालगढ़ प्रखंड सभागार में पंचायत समिति की बैठक प्रखंड प्रमुख निखिल किशोर उर्फ भिखारी यादव एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी ममता कुमारी की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभाग के अधिकारियों के भाग नहीं लेने उन पर स्पष्टीकरण पूछे जाने का निर्णय लिया गया। दनसार पंचायत में मोटेशन में हो रहे धांधली पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया गया। दर्जियाबाड़ी में गरीबों को सरकार द्वारा भूमि उपलब्ध हो जाने के बाद भी लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिए जाने पर भी चर्चा हुई तथा उसे खाली करने के लिए प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया। कई पंचायत में खेल मैदान के लिए जमीन उपलब्ध कराने का ध्यान आकृष्ट कराया गया। कई उप स्वास्थ्य केंद्र जब तक डॉक्टर उपलब्ध नहीं होता तब तक नर्स उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री आवास प्रतीक्षा सूची उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। प्रखंड कृषि पदाधिकारी दिलीप रजक के द्वारा बिहार सरकार कृषि एप का संपूर्ण जानकारी दी गई। सहकारिता के जितने भी वोटर उनको सूची मांगी गई ताकि नया वोटर बनाया जा सके। सोलर लाइट को लेकर काफी गमहा गहमी हुई। उपस्थित सदस्यों ने बताया कि जहां-जहां सोलर लाइट लगी है उनमें 60 से 70प्रतिशत खराब है। बैठक में शिक्षा ,मनरेगा ,स्वास्थ्य ,पशुपालन आदि पर भी चर्चा हुई।

विषाक्त भोजन खाने से पांच लोग हुए बीमार, भर्ती

सहरसा, एजेंसी। पुरीख गांव में बुधवार को विषाक्त भोजन खाने के कारण एक ही परिवार के पांच लोगों की तबीयत बिगड़ गई।सभी लोगों को पंचगछिया अस्पताल लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी लोगों को बेहतर उपचार के लिये सहरसा भेजा गया। बताया जाता है कि पुरीख गांव निवासी मनीष पंडित के यहां बुधवार को दोपहर में खाना खाने के लिये चावल,दाल और सब्जी बनाया गया था। शाम में पहले एक सदस्य को उल्टी हुई। फिर घर के दूसरे सदस्य को भी उल्टी हुई और उसकी भी तबीयत बिगड़ गई। उल्टी के बाद मनीष पंडित, देवकी देवी, गीता कुमारी, अखिलेश कुमार एवं छोटी कुमारी की तबीयत बिगड़ने लगी। सहरसा में ईलाज होने के बाद देर रात से सबों की तबीयत ठीक होने लगी। बताया जाता है कि खाने में कोई जहरीले चीज के गिरने के बाद खाने से इस तरह की समस्या हुई थी।

एक करोड़ नये मेंबर बनाएगा राजद

दिल्ली में लालू तो पटना में तेजस्वी के हाथ अभियान की कमान

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल(आरजेडी) ने इस बार एक करोड़ नए लोगों को पार्टी से बतौर सदस्य जोड़ने का लक्ष्य तय किया है। गुरुवार को दिल्ली और पटना से पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू किया गया है। इसके साथ देश के बीस राज्यों में पार्टी का सदस्यता कार्यक्रम शुरू हो गया है। पटना में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने प्रदेश राजद कार्यालय के कर्पूरी सभागार में पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत की तो दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने। बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इसके मद्देनजर पार्टी ने सदस्यता अभियान में पूरी ताकत झोंक दिया है।

लालू प्रसाद ने नई दिल्ली में पार्टी सांसद डॉ. मीसा भारती के आवास पर अभियान की शुरुआत की। तेजस्वी को प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने तो लालू को राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुलबारी सिद्दीकी आदि ने सदस्यता रसीद दी। इसके साथ ही बिहार सहित देश के 20 राज्यों में सदस्यता अभियान शुरू हो गया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोगों का प्रयास सभी जाति-धर्म एवं वर्ग के लोगों को पार्टी से जोड़ना है। कार्यकर्ताओं को एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया।

तेजस्वी यादव ने इस मौके पर कहा कि भाजपा के दिल्ली और बिहार में जितने सदस्य हैं, उतने वोट भी उन्हें नहीं मिलते। राजद कार्यकर्ता घर-घर जाकर पार्टी का सदस्य बनाएं। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि नवादा की घटना के दोषी को सजा मिलनी चाहिए। पार्टी की जांच कमेटी शुक्रवार को घटनास्थल पर जाएगी। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के बयान पर कहा कि उन्हें कुछ पता नहीं रहता है। इसमें शामिल लोगों की पुलिस ने लिस्ट जारी की है। वे केंद्र सरकार में हैं, राज्य सरकार पर दवाब बनाकर दोषी को सजा दिलाएं। पटना के कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश राजद अध्यक्ष जगदानंद सिंह और संचालन प्रदेश के प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने किया। मौके पर राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, सांसद संजय यादव, झारखंड राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार यादव आदि मौजूद थे।

इधर जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने एक बार फिर कहा है कि तेजस्वी नौवीं कक्षा में फेल हो गए और जब वे क्रिकेट खेलने गए तो वहां पानी ढोते थे। तेजस्वी यादव की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की असली पहचान सिर्फ लालू यादव के पुत्र के रूप में हैं। उनका किसी महत्वपूर्ण मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है। उनकी राजनीति सिर्फ जाति और धर्म के नाम पर लोगों को बांटकर चुनाव जीतना है। उन्हें चुनौती है कि वह जीडीपी को परिभाषित कर दें।

बाढ़ के पानी में डूबकर बुजुर्ग की मौत

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के कारनामेपुर थाना क्षेत्र के रामदत्तही गांव में गुरुवार को बाढ़ के पानी में डूबने से बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक कारनामेपुर थाना क्षेत्र के रामदत्तही गांव वार्ड नंबर-14 निवासी स्व.राम आश्रय मलाह के 60 वर्षीय पुत्र बुटाई मलाह हैं। वह मछली मारने का काम करते थे। मृतक के बेटे फागु मलाह ने बताया कि उनके घर से कुछ दूरी पर दरवाजा है, जहां मवेशी रहते हैं। वे वहीं पर रहा करते थे और सिर्फ खाना खाने के लिए घर पर आते थे। गांव सहित सभी आसपास के इलाके में बाढ़ का पानी बहुत ज्यादा भर गया है। वह मवेशी को लेकर बाढ़ के पानी में प्रवेश कर घर आ रहे थे। इसी बीच वह बाढ़ के पानी में डूब गए। उनके डूबने के घंटों बाद एक मछुआरों ने सूचना दी कि पिता बाढ़ के पानी में डूब गए हैं।

भोजपुर में मवेशियों को लेकर आ रहे थे, मछुआरों ने परिजनों को दी जानकारी

मछुआरों के सहयोग से लाश निकाली गई

सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और स्थानीय मछुआरों के सहयोग से उनके शव को पानी से बाहर निकाला गया। इसके बाद परिजन उनके शव को थाना लाया गया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम आरा सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व दो बहन में बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी मीरा देवी, चार पुत्र अजय मलाह, त्रिलोकी मलाह, फागु मलाह, मंटू चौधरी और दो पुत्री फूलकुमारी देवी व शिवकुमारी देवी है। घटना के बाद मृतक की पत्नी मीरा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

किराए के कमरे में मिला महिला का शव, 15 दिन पहले रेंट पर आई थी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में गुरुवार देर रात एक महिला का शव किराए के घर में मिला। 15 दिन पहले रेंट पर महिला पति और भैंसुर के साथ आई थी। महिला को छोड़कर वे लोग चले गए। वो अकेले कमरे में रह रही थी। कमरे से जब बदबू आने लगी तो आसपास के किराएदारों ने मकान मालिक को जानकारी दी। मकान मालिक ने ताला तोड़कर देखा तो पता चला लाश पड़ी है। पुलिस को बुलाया गया। पुलिस के अनुसार लाश करीब 4 दिन पुरानी है। मृतका पूर्वी चंपारण के हुसेनी गांव की रहने वाली थी। मामला अहियापुर थाना क्षेत्र के कोल्हूआ पैगंबरपुर मिडिल स्कूल के पास की है।

आधार कार्ड से महिला के बारे में पता लगाया जा रहा : अहियापुर पुलिस ने मकान मालिक दिवाकर कुमार से पूछताछ की। दिवाकर महिला का नाम नहीं बता पाए। मकान मालिक ने पुलिस को पूर्वी चंपारण के पुरैना निवासी रवि कुमार के आधार कार्ड की छाया प्रति दी है। जिस युवक के आधार कार्ड की छाया प्रति दी गई उसे महिला ने अपना भाई बताया था। अहियापुर थानेदार ने बताया कि बाहर से बंद कमरे में महिला का शव मिला है। एफएसएल से छानबीन कराई जा रही है। मकान मालिक ने एक आधार कार्ड दिया है। उससे महिला का सुराग लगाया जा रहा है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण पता चलेगा : एसडीपीओ-2 विनिता सिन्हा ने बताया कि शव चार दिन पुराना लग रहा है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। द्वह्यद्य की टीम घटना स्थल की जांच कर रही है। बाकी किराएदार से बात हुई तो पता चला कि कुछ दिन पहले महिला डॉक्टर से मिलने गई हुई थी।

समस्तीपुर में गंगा ने धारण किया रौद्र रूप: 25 से अधिक गांवों में घुसा पानी

मोहनपुर में खतरे के निशान से 2.05 मीटर ऊपर बह रही

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर से गुजरने वाली गंगा नदी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। गुरुवार शाम खतरे के निशान से 2.05 सेमी ऊपर बह रही थी। गंगा नदी के जलस्तर में हो रही लगातार वृद्धि के कारण मोहनपुर मोहिउद्दीन नगर और विद्यापति नगर प्रखंड के 25 से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। कई जगहों पर सड़क संपर्क भंग हो गया है। खासकर मोहनपुर प्रखंड के गांव की स्थिति गंभीर बनी हुई है। यहां धरनी पट्टी पंचायत के अधिकतर गांव से जिला और प्रखंड मुख्यालय का संपर्क खत्म हो गया है। लोग नाव के सहारे ही आवाजाही कर रहे हैं। दोबारा आई गंगा नदी में बाढ़ के कारण दियारा इलाकों में स्थिति गंभीर हो गई है। इन इलाकों के कुल 39 प्राइमरी और मध्य विद्यालय को तत्काल बंद कर दिया गया है। मोहनपुर प्रखंड के धरनी पट्टी पश्चिम पंचायत के हरदासपुर, सरसावा, जहैंगरा, बघरा के अलावा डुमरी दक्षिणी पंचायत डुमरी उत्तरी पंचायत, जलालपुर बिशनपुर बेरी, मटियोर, राजपुरा गांव में गंगा नदी का पानी प्रवेश कर गया है। इस कारण बिंदगामा से जौनपुर जाने वाली सड़क पर करीब एक से डेढ़ फीट पानी बह रहा है। इसी तरह डुमरी से दियारा मोड जाने वाली सड़क पर भी पानी है। सड़क पर पानी चढ़ जाने के कारण इस इलाके के लोगों का प्रखंड मुख्यालय से सड़क संपर्क भंग हो गया है। लोग नाव के सहारे आवाजाही को मजबूर हैं। मोहिउद्दीन नगर प्रखंड में गंगा नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण मोहिउद्दीन नगर प्रखंड के 8 पंचायत में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। इन पंचायत में राजपुर पतासिया पूर्वी, राजपुर पतासिया पश्चिम, बोचहा, मोहम्मदीपुर, कुरसाहा, तेतारपुर और हरैल पंचायत के गांव शामिल है। इन गांव की कई सड़कों पर बाढ़ का पानी बहने से सड़क यातायात बंद हो गया है। उधर, विद्यापति नगर प्रखंड के भी आधा दर्जन दियारा इलाके के पंचायत में गंगा नदी का पानी भर गया है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डीएम ने किया बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा

इस बीच डीएम रोशन कुशवाहा द्वारा अंचल मोहनपुर मोहिद्दीननगर और विद्यापति नगर के विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया गया किया है। भ्रमण के दौरान महत्वपूर्ण कटाव क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया। सभी संबंधित पदाधिकारियों और संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिया गया।

अचानक सड़क पर दिखा मगरमच्छ, 30 सेकेंड तक रुका था, फिर जंगल में भागा

बगहा (वाल्मिकीनगर), एजेंसी। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व स्थित धोबहा पुल के निकट एक दृश्य देखने को मिला जिसने वहां मौजूद लोगों को हैरान कर दिया। रात के समय वाल्मीकि नगर मुख्य पथ पर एक विशाल मगरमच्छ सड़क पार करता नजर आया। इस अद्भुत पल को वाल्मीकि नगर के निवासी राहुल देव ने न सिर्फ देखा बल्कि इसका वीडियो भी बना लिया। राहुल ने बताया कि वह अपनी गाड़ी से जा रहे थे जब अचानक उनकी नजर इस भारी-भरकम मगरमच्छ पर पड़ी। चौंकते हुए उन्होंने तुरंत गाड़ी के ब्रेक लगाए और मगरमच्छ को सड़क पार करते हुए देखने लगे। लगभग 30 सेकेंड तक चले इस रोमांचक नजारे में मगरमच्छ ने धीरे-धीरे सड़क पार की और जंगल की ओर चला गया। यह घटना उस वक्त और भी दिलचस्प हो गई जब राहुल ने इस पूरे दृश्य को अपने मोबाइल में कैद कर लिया। वीटीआर के आसपास के इलाके में अक्सर वन्य जीवों को सड़क पार करते हुए देखा जाता है, लेकिन टाइगर रिजर्व के इस क्षेत्र में मगरमच्छ का देखा जाना आश्चर्य की बात है।

दरअसल, वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के अंदर जो भी नदियां हैं वे नदियां पहाड़ी नदी है, इन नदियों में मगरमच्छ नहीं पाया जाता है। हालांकि अंदाजा लगाया जा रहा है कि गंडक नदी से निकलकर जंगल के रास्ते होते हुए मगरमच्छ यहां आ गया होगा। स्थानीय लोग और पर्यटक अब इस वीडियो को देखकर हैरान हैं और इसे वन्यजीवन के साथ मानव जीवन के सीधे संपर्क का अद्भुत उदाहरण मान रहे हैं। मगरमच्छ करीब 20 करोड़ साल से धरती पर हैं, जो उन्हें डायनासोर के समकालीन बनाता है। यह उन्हें हमारे ग्रह के सबसे पुराने जीवों में से एक बनाता है। मगरमच्छ अपने जीवनकाल में 50 बार तक अपने दांतों को बदल सकते हैं। एक मगरमच्छ के मुंह में लगभग 80 दांत होते हैं और जब भी दांत टूटते हैं, नए दांत अपने आप उग आते हैं। मगरमच्छ पानी में बेहद तेज तैराक होते हैं। वे अपनी पूंछ के बल पर तैरते हैं और पानी में 32 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तैर सकते हैं। मगरमच्छ पानी के अंदर 1 से 2 घंटे तक सांस रोक सकते हैं। यह उन्हें शिकार करने में मदद करता है, क्योंकि वे बिना हिले-डुले लंबे समय तक शिकार का इंतजार कर सकते हैं। मगरमच्छ का जबड़ा पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली काटने वाली मांसपेशियों में से एक है। एक मगरमच्छ का काटने का दबाव 3,700 पाउंड प्रति वर्ग इंच होता है, जो किसी भी अन्य जानवर से अधिक है। मगरमच्छ ठंडे खून वाले होते हैं, इसलिए उनका शरीर का तापमान बाहर के वातावरण पर निर्भर करता है। वे धूप में बैठकर अपने शरीर को गर्म रखते हैं और ठंडे पानी में ठंडा करते हैं। मगरमच्छ रात में शिकार करने में माहिर होते हैं, क्योंकि उनकी आंखें कम रोशनी में भी बेहतरीन तरीके से देख सकती हैं। उनकी गंध और सुनने की क्षमता भी बेहद तेज होती है, जिससे वे शिकार को दूर से भी महसूस कर सकते हैं। मादा मगरमच्छ अपने अंडों की बहुत सुरक्षा करती हैं। अंडे देने के बाद वह घोंसले की चौकसी करती हैं और बच्चों के पैदा होते ही उन्हें अपने मुंह में उठाकर पानी में ले जाती हैं। मगरमच्छ की विभिन्न प्रजातियां होती हैं, जिनमें से कुछ प्रजातियां 6-7 मीटर लंबी और 1,000 किलोग्राम तक वजनी हो सकती हैं। सबसे बड़े मगरमच्छ को सॉल्टवॉटर मगरमच्छ माना जाता है। मगरमच्छ के दिल में चार कक्ष होते हैं, जो अन्य सरीसृपों से अलग है। यह उन्हें बहुत प्रभावी ढंग से अपने शरीर के तापमान और ऊर्जा का प्रबंधन करने में मदद करता है।

उदय स्टोन क्लिनिक
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
9102779809
9801344665

उड़ान परियोजना ने किशोर-किशोरियों को कराया एक्सपोज़र विजिट

बीएनएम। मोतिहारी

महिला एवं बाल विकास निगम, समाज कल्याण विभाग, यूनिसेफ के सहयोग से बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन द्वारा संचालित उड़ान परियोजना के अंतर्गत किशोर-किशोरियों के ज्ञान, दृष्टिकोण और सोच को विकसित करने के लिए एक्सपोज़र विजिट का आयोजन मोतिहारी शहर के विभिन्न प्रशिक्षण एवं औधोगिक संस्थानों में किया गया। एक्सपोजर विजिट के दौरान किशोर-किशोरियों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान(आरसेटी) और सीपीआईटी मोतिहारी का भ्रमण कराया गया। इस क्रम में शहर के भवानीपुर जिरात स्थित सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया रूरल सेल्फ एंप्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (सेन्ट आरसेटी) सेंटर, मोतिहारी का भ्रमण कराया गया। संस्थान के नीरज आनंद ने बताया कि इस संस्थान में पशुपालन सह वर्मी कम्पोष्ट उत्पादन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, मशरुम की खेती, अगरबत्ती निर्माण, महिला सिलाई-कटाई, ब्यूटी पार्लर मैनेजमेंट प्रशिक्षण निःशुल्क दिए जाते हैं। प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण अवधि के दरम्यान सुपाच्य व शुद्ध पौष्टिक भोजन, चाय, नाश्ता तथा लेखन सामाग्री फ्री में उपलब्ध कराया जाता है। यहां आवासीय तथा गैर-आवासीय प्रशिक्षण संचालित होती है। भ्रमण के क्रम में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के प्रिंसिपल गीता कृष्णन तथा विकास कुमार ने आईटीआई में पढ़ाए जाने वाले विषय यथा इलेक्ट्रीशियन, फिटर, प्लंबर, मेकैनिकल लोड कैपेसिटी के मशीनों को चलाकर समझाया गया सहित अन्य विषयों पर बच्चों को विस्तृत जानकारी दी। साथ ही आईटीआई के कैंपस में टाटा के सहयोग से संचालित सेंटर औफ एक्सीलेंस में इलेक्ट्रिक कार, टोटो, मोटरसाइकिल व अन्य आधुनिक तरीके से बनाने वाले उपकरण को दिखाया गया। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कंप्यूटराइज्ड रोबोट को दिखलाया गया, जिसके माध्यम से गाड़ियों के पाट्र्स तेज़ी से बनाने में सहयोगी साबित होगा। भ्रमण के क्रम में महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा संचालित सीपीआईटी बनकट मोतिहारी का भ्रमण किया गया जिसमें मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के तहत महिलाओं को 10 महीने का नर्सिंग का कोर्स कराया जा रहा था। इस संस्थान के डॉ. अजित सिंह, नवनीत कुमार, रवि रौशन कुमार, मंजेश कुमार, निक्की कुमार, ब्रजेश कुमार, संतोष कुमार ने बताया कि इस संस्थान के द्वारा नर्सिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमे 5 माह प्रशिक्षण दिया जाता है और 5 माह सरकारी अस्पतालों में प्रैक्टिकल कराया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार की गारंटी दी जाती है और प्रमाण पत्र मुहैया कराए जाते हैं। प्रमाण पत्र धारक को सरकार द्वारा पाँच लाख तक की अनुदान राशि मिल सकती है जिससे वे अपना रोजगार खड़ा कर सकते हैं। इस भ्रमण में उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा, प्रखंड समन्वयक जितेंद्र कुमार सिंह, विकास मित्र कविता कुमारी, नीतू कुमारी, रामकुमार रंजन, मुकेश कुमार राम, रिंकी भारती,गुड़िया कुमारी,पूनम कुमारी सहित निशि कुमारी,मोहित कुमार, गुंजा कुमारी,नेहा कुमारी,आरती कुमारी,अनुष्का कुमारी,कृतिका रंजन,कोमल रंजन,सत्यम कुमार, आरती कुमारी,काजल, मीता कुमारी,प्रीति कुमारी सहित बड़ी संख्या में किशोर किशोरी और विकास मित्र इस अभिदर्शन में शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

भूमि विवाद को लेकर कोटवा में हुई गोलीबारी, एक की मौत, तीन घायल

बीएनएम। मोतिहारी। बिहार में चल रहे भूमि सर्वे के बीच पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा में जमीनी विवाद को लेकर हुई गोलीबारी में एक युवक की मौत हो गई वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। गोलीबारी की यह घटना कोटवा थाना क्षेत्र के बंगरा गांव में घटी है। मृतक की पहचान बंगरा निवासी मनीष कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार बंगरा गांव के निवासी पूर्व सैनिक सुरेश पांडेय और पिंटू पांडेय के बीच पहले से जमीन का विवाद चल रहा था। एक दिन पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया था हालांकि लोगों ने हस्तक्षेप कर किसी तरह से मामले को शांत कराया था। आज जमीन की घेराबंदी को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और एक पक्ष के सुरेश पांडेय ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से गोली चला दी। इस गोलीबारी में चार लोग घायल हो गये। इसमें मनीष कुमार की मौके पर मौत हो गई। मनीष दो पक्षों के बीच हो रहे झगड़े को देखने गया था इसी बीच उसे गोली लग गई। वहीं इस गोलीबारी में अभिषेक पांडेय, पिंटू पांडेय और रिपुरंजन कुमार घायल हो गये। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची कोटवा थाने की पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जिले के पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम छापेमारी कर रही है। पुलिस ने सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की मध्यावधि परीक्षा 27 से होगी आरंभ

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ.श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2024-2028 की शैक्षणिक सत्र की मध्यावधि परीक्षा दिनांक 27.09.2024 से 30.09.2024 तक ली जायेगी। इसकी जानकारी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो.(डॉ.) किरण कुमारी के द्वारा दी गई। उन्होंने बताया की परीक्षा दो पाली में होगी। प्रथम पाली की परीक्षा का समय सीमा 10:00 बजे से 01:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा का समय सीमा 02:00 बजे से 05:00 बजे तक निर्धारित की गई है। प्राचार्या ने कहा कि परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, किताब, कॉपी, गेस पेपर, पॉलिथीन, मनी बैग, लेडीज पर्स, चिट पुर्जे, अवांछित सामग्री ले जाना वर्जित है। पकड़े जाने की स्थिति में उक्त सामग्री जब्त कर परीक्षार्थी को परीक्षा से निष्कासित कर दिया जाएगा।

दो अलग-अलग जगहों पर सड़क दुर्घटना में घायल दो की मौत

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के ओलहा मेहता टोला पंचायत के मेहता टोला गांव वार्ड नंबर 5 निवासी निवासी रमेश प्रसाद गुप्ता के पुत्र अनुराग कुमार गुप्ता 22 वर्ष की मौत इलाज के क्रम में गुरुवार की शाम में हो गई। वहीं मटियरिया पंचायत के मटियरिया इंग्लिश टोला वार्ड नंबर 5 निवासी हीरा राउत की मौत मोतिहारी के एक निजी अस्पताल में शुक्रवार की सुबह हो गई। ओलहा मेहता टोला निवासी अनुराग कुमार गुप्ता 18 सितंबर को गायघाट में कंप्यूटर का क्लास करने के लिए जा रहा था कि गायघाट नहर पुल पर एक अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। घायल अवस्था में उसे गायघाट के एक निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद मोतिहारी रहमानिया में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसकी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पटना रेफर कर दिया। पटना में गुरुवार की शाम 5 बजे इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। वह लड़का अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था उसकी दो बहन भी है, उसकी माता शांति देवी, बहन और पूरे परिवार का रोते-रोते बुरा हाल हो गया है। वहीं मटियरिया इंग्लिश टोला वार्ड नंबर 5 निवासी हीरा राउत गुरुवार की सुबह गायघाट गोभी का बीज लाने के लिए जा रहे थे कि मटियरिया 12 माइल के पास एक पिकअप ने ठोकर मार दी जिससे वे घायल हो गए जिनको इलाज के लिए मोतिहारी के आरसी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इलाज के क्रम में ही उन्होंने शुक्रवार की सुबह दम तोड़ दिया। उन्हें दो पुत्र और एक पुत्री है। मटियरिया निवासी हरसिद्धि प्रखंड प्रमुख जानकी देवी व समाजसेवी मनोज कुमार ने पुष्टि करते हुए दोनों पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग सरकार व प्रशासन से की है, पुलिस ने दोनों शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौप दिया। हालांकि इस सम्बंध में थाने में कोई आवेदन नहीं मिला है।

जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने आरटीपीएस काउंटर का किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी शैलेंद्र भारती के द्वारा शुक्रवार को सुगौली प्रखंड स्थित आरटीपीएस काउंटर का निरीक्षण कर वहां सभी चीजों की बारीकी से जांच की गई। सर्वप्रथम उपस्थिति पंजी देखी गई एवं उपस्थित सभी कर्मियों का उससे मिलान किया गया। इसके पश्चात कार्यालय में संधारित सभी पंजियों को देखा गया। एडीएम पीजीआरओ के द्वारा बताया गया की जाति, आवासीय एवं राशन कार्ड से प्राप्त आवेदनों से संबंधित कार्रवाई की प्रगति अच्छी पाई गई जबकि दाखिल खारिज (म्यूटेशन) से संबंधित आवेदनों पर राजस्व कर्मचारी के स्तर से बड़ी संख्या में कार्रवाई लंबित पाई गई। एडीएम के द्वारा राजस्व कर्मचारियों को सभी कागजातों की जांच कर निर्धारित अवधि के अंदर इन आवेदनों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया एवं यह भी कहा गया कि इस संबंध में आगामी 24 सितंबर को मुख्य सचिव के स्तर से समीक्षा होनी है। निरीक्षण के दौरान आरटीपीएस काउंटर पर पंक्तिबद्ध आम लोगों से मिलकर भी उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की गई। आरटीपीएस काउंटर जिस भवन में चल रहा है उस भवन की स्थिति अच्छी नहीं पाई गई। एडीएम पीजीआरओ के द्वारा उससे संबंधित एक प्रतिवेदन जिला को भेजने का निर्देश दिया गया ताकि उस पर अग्रेत्तर कार्रवाई की जा सके।

जनता के दरबार में 46 आवेदनकर्ताओं की डीएम ने सुनी समस्याएं, तुरंत निष्पादन का दिए आश्वासन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर के विभिन्न प्रखंडों से आए 46 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज विभाग, भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जनता दरबार में जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र भारती, एडीएम आपदा प्रबंधन राजेश्वरी पांडे, अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी श्वेता भारती सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह को मिली जान मारने की धमकी, एसपी बोले - होगी कड़ी कार्रवाई

बीएनएम। मोतिहारी

एनडीए की सरकार में आम आदमी की बात कौन करे अब खास लोग भी सुरक्षित नहीं हैं। ताजा मामला जिले के चकिया अनुमंडल क्षेत्र से सामने आया है। यहां केसरिया-कल्याणपुर के पूर्व विधायक व वरीय भाजपा नेता सचिन्द्र प्रसाद सिंह को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर पूर्व विधायक को जान मारने की धमकी दी है। हालांकि बॉर्डर न्यूज़ मिरर वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। वायरल वीडियो में धमकी देने वाला बोल रहा है कि अगर तुम इस रास्ते से गुजर गये तो हमसे बुरा कोई नहीं है। हम तुम्हें बिना मारे नहीं रहेंगे। वीडियो में दिखने वाला युवक अपना नाम मनीष सिंह बता रहा है। वह कल्याणपुर थाने के माधोपुर दामू गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। धमकी देने वाले युवक के विरुद्ध दर्ज हैं कई मामले पूर्व विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह को सोशल मीडिया के माध्यम से धमकी देने वाला युवक मनीष सिंह का विवादों से पुराना नाता है। कुछ दिन पहले उसने अपने ही गांव के एक नाबालिग लड़के की बेरहमी से पिटाई भी की थी। इस मामले में पंचायती और विवाद भी हुआ था। उक्त मामले में उस समय कल्याणपुर थाने में प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी।**सोशल मीडिया से मिली धमकी की जानकारी : सचिन्द्र**युवक द्वारा सोशल मीडिया पर जान मारने कि धमकी दिए जाने के मामले में पुछे जाने पर केसरिया एवं कल्याणपुर के पूर्व विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह ने बताया कि धमकी देने वाला युवक मेरे बगल के गांव का रहने वाला है। वह हमेशा विवादों में रहता है। धमकी देने वाला युवक जेल जाते-आते रहता है. पूर्व विधायक ने कहा कि इस मामले में पुलिस-प्रशासन अपना काम कर रहा है। मामले की जांच शुरु, होगी कड़ी कार्रवाई : एसपीपूर्व विधायक को सोशल मीडिया के माध्यम से जान मारने की मिली धमकी को पुलिस-प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। जिले के नवनियुक्त पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कल्याणपुर पुलिस को मामले की जांच करने का निर्देश दिया। पुलिस कप्तान का निर्देश मिलते ही कल्याणपुर पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी। पुलिसिया जांच में यह बात सामने आई है कि पूर्व विधायक को धमकी देने वाला युवक मनीष सिंह उर्फ अंतोष है। कुछ दिन पहले रंगदारी एवं अश्लील वीडियो वायरल करने के आरोप में उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। वर्तमान में वह फरार चल रहा है। पुलिस कप्तान ने बताया कि इस मामले में पूर्व विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह से आवेदन प्राप्त कर प्राथमिकी दर्ज करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

रात्रि प्रहरी हत्याकांड में एसआईटी गठित

- अपराधियों पर 25-25 हजार का ईनाम घोषित, एक अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया

पश्चिमी सुन्दरापुर निवासी नाईट गार्ड मणि प्रकाश हत्याकांड में पुलिस ने एक अपराधी को शुक्रवार की देर शाम गिरफ्तार किया है। बिजधरी व केसरिया थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार अपराधी बिजधरी थाना क्षेत्र के पश्चिमी सुन्दरापुर का जियालाल कुमार यादव बताया जाता है। हालांकि गिरफ्तारी कहाँ से हुई इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पायी है। घटना के महज 24 घण्टे के अंदर एक अपराधी की गिरफ्तारी कर पुलिस ने थोड़ी राहत की सांस ली है। अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी जारी है। इधर, मणि प्रकाश का शव पोस्टमार्टम उपरांत शुक्रवार को स्वजनों को सौंप दिया गया। अहले सुबह से ही मृतक के घर लोगों का तांता लगा हुआ था। पूरे क्षेत्र में गुरुवार की देर शाम हुई इस निर्मम हत्या की चर्चा हो रही है। अपराधियों के बड़े मनोबल पर लोग चर्चा करते दिखे। घटना के बाद से ही पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी कर रही है। मणि प्रकाश अपने गाँव के ही उत्क्रमित मध्य विद्यालय मौजे में रात्रि प्रहरी के रूप में तैनात था। वही मृतaक की पत्नी रिंकी कुमारी वार्ड संख्या एक में आंगनबाड़ी सेविका के पद पर कार्यरत है। जबकि मृतक के बड़े भाई संजय यादव मुजफ्फपुर जिला के साहेबगंज स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत है। मृतक के दो अबोध पुत्र और एक पुत्री को यह भी नहीं समझ में आ रहा है कि उनके सर से पिता का साया उठ गया है। बता दें कि मणि प्रकाश की हत्या गुरुवार की देर शाम को हथियारबंद अपराधियों ने कर दिया था। बताया जा रहा है कि मणि प्रकाश को उसके घर से बुलाकर ले जाया गया और गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक को सभी गोली पीछे से मारी गई है। जिसमें एक गोली सर में और तीन गोली उसके पीठ में मारी गई है। मृतक के भाई संजय यादव ने बताया कि जब वह घर मे बैठे थे तो उनके ग्रामीण ने बताया कि उनके भाई को मुजहन गाँव मे जाने वाली सड़क में टावर के समीप अपराधियों के द्वारा गोली मार दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी स्वर्ण प्रभात घटनास्थल पर पहुँच मामले की जानकारी ली। वही घटना के उद्भेदन को लेकर स्वान दस्ता एवं एफएसएल की टीम को बुलाया गया। एसपी ने बताया कि चकिया डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी गठित किया गया है। घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों पर 25-25 हजार का ईनाम घोषित किया गया है। अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई चल रही है।

संक्षिप्त समाचार

सिकरहना नदी में डूबे युवक का शव दूसरे दिन मिला

परिजनों का रो रो कर बुरा हाल

बीएनएम। सुगौली। थाना क्षेत्र के कचहरीया टोला के युवक शव शुक्रवार को नदी में उपलाता मिला। बताते चलें कि गुरुवार को कचहरीया टोला निवासी महेश सहनी का पुत्र नरेंद्र सहनी शौच के लिए नदी किनारे गया था। जहां वह नदी में डूब गया। स्थानीय गोताखोरों और एन डी आर एफ के गोताखोरों के घंटों कड़ी मशक्कत के बाद भी नदी में डूबे युवक को नहीं तलाश पायी। अंततः शुक्रवार को युवक का शव नदी में उपलता हुआ पाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मोतीहारी भेज दिया है। युवक का शव मिलने से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

सरगम सिनेमा रोड़ से 20 किलो चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

- सदर डीएसपी शिखर चौधरी के नेतृत्व में हुई छापेमारी
- चरस की मुंबई में करनी थी डिलेवरी, ट्रेन पकड़ने की फिराक में था तस्कर

बीएनएम। सुगौली। नगर पंचायत के सरगम-पाण्डेय टोला रोड़ से पुलिस ने गुरुवार की देर शाम नशीले पदार्थ चरस के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस को इसकी गुप्त सूचना मिली थी। नव आगत पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर सदर डीएसपी शिखर चौधरी ने पुलिस टीम का गठन किया तथा छापेमारी कर चरस के साथ सुगौली निवासी रसूल आजम को 14.53 किलो चरस के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने तस्कर के पास से चरस बरामद कर जब्त कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद चरस की कीमत 43 लाख 59 हजार रुपए बताई जाती है। पुलिस ने गिरफ्तार तस्कर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले की पुष्टि सदर डीएसपी श्री चौधरी ने किया । गौरतलब है कि पूर्वी चंपारण के सीमावर्ती क्षेत्रों सहित सुगौली, रक्सौल, हरसिद्धि प्रखंड पड़ोसी देश नेपाल के काफी करीब होने के कारण मादक पदार्थ के तस्करी का हब बनते जा रहा है। बीते दिनों पुलिस ने जिले के विभिन्न स्थानों से करोड़ों रुपए के मादक पदार्थ सहित कारोबारियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने शिकंजा कसा हुआ है। छापेमारी टीम में स्थानीय अंचल के पुलिस निरीक्षक अशोक पाण्डेय, थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, पुअनि राजेश कुमार, पीएसआई अभिनव राज, सअनि विशाल क्षेत्री, चौकीदार प्रदीप सिंह, रमेश यादव तथा सशस्त्र बल के जवान थे।

टीबी मरीज के पहचान को लेकर स्वस्थ्य शिविर का आयोजन

बीएनएम। रामगढ़वा। प्रखण्ड के रघुनाथपुर पंचायत में शुक्रवार को स्वास्थ्य जाँच कैम्प का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ नीतेश ध्वज सिंह के अध्यक्षता में किया गया ।जिसमें अल्ट्रा पोर्टेबल ऐक्स रे यूनिट मशीन से यक्ष्मा रोगी की पहचान की गई एवं चिन्हित मरीजों का बलगम एकत्रित किया गया व जाँच के लिए भेजा गया। साथ ही बीपी जाँच,ब्लड शुगर, हाइट, वजन की गई एवं आवश्यक दवा का वितरण किया गया। कैम्प में कुल 62 महिला एवं पुरुष का टीबी स्क्रीनिंग किया गया। इस दौरान चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुरेश प्रसाद, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक, प्रखंड अनुश्रवण एवं मूल्यांकन, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक, एसटीएस पप्पू कुमार राय, एसटीएलएस मनोज राम, स्टाफ नर्स निशांत कुमार, एएनएम मालती सिन्हा, सीएचओ कुनाल कुमार, वर्ल्ड विजन से मिथिलेश कुमार, मोहम्मद सैफ, आशा फैसिलिटेटर उमरा खातून,आशा मुन्नी देवी, रेणू देवी, शीला देवी, पूनम देवी, ललिता देवी, मीरा देवी समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

प्रोजेक्ट कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने जमकर काटा बवाल

मैट्रिक व 12 वीं के रेजिस्ट्रेशन में निर्धारित शुल्क से अधिक राशि लेने का आरोप

- बीडीओ के पहुँचने पर शांत हुआ मामला

बीएनएम। केसरिया

जय प्रभा आर्य कन्या प्रोजेक्ट उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय केसरिया में रजिस्ट्रेशन के निर्धारित शुल्क से अधिक राशि लेने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को विद्यालय की सैकड़ों छात्राओं ने जमकर बवाल काटा। इस दौरान विद्यालय परिसर में अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना पर बीडीओ मनीष कुमार सिंह, नपं ईओ विनीत कुमार व नपं के पूर्व मुख्य पार्षद रजनीश कुमार पाठक ने विद्यालय पहुँच आक्रोशित छात्राओं को शांत कराते हुए मामले की जानकारी ली। विद्यालय के 12 वीं की छात्रा अदिति कुमारी, सलोनी कुमारी, दसवीं की छात्रा माही सिंह, ब्यूटी कुमारी, अमृता कुमारी, रौशनी कुमारी, संध्या कुमारी, निर्मला कुमारी सहित अन्य का आरोप है कि विद्यालय के प्रभारी एचएम अखिलेश्वर कुमार 12 वीं व मैट्रिक के रजिस्ट्रेशन में विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक राशि ले रहे हैं। साथ हीं शुल्क का रसीद भी नहीं दिया जा रहा है। पूछे जाने पर डांट कर भगा दिया जाता है। छात्राओं ने विद्यालय की शिक्षिका मंजू कुमारी पर रील बनवाने का भी आरोप लगाया। छात्राओं द्वारा प्रभारी एचएम अखिलेश्वर कुमार व शिक्षिका मंजू कुमारी के नियमित रूप से विद्यालय नहीं आने व शैक्षणिक कार्य में रुचि नहीं लेने का भी मामला बताया गया। बीडीओ मनीष कुमार ने इस आरोप के अलावा विद्यालय की व्यवस्था, शिक्षकों की उपस्थिति, साफ सफाई आदि की भी जाँच की। इसके बाद प्रभारी एचएम को जमकर फटकार लगायी। साथ हीं विद्यालय की व्यवस्था सुधारने को लेकर प्रभारी एचएम को सख्त हिदायद दी। बीडीओ ने प्रभारी एचएम को निर्धारित शुल्क के साथ छात्राओं का रजिस्ट्रेशन करने की बात कही। जिस पर मामला शांत हुआ।

मारवाड़ी युवा मंच 21 से 23 सितम्बर तक निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का करेगा आयोजन

बीएनएम। बगहा

आगामी 21 सितम्बर दिन - शनिवार से 23 सितम्बर तक मारवाड़ी युवा मंच, बगहा निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन मारवाड़ी अतिथि भवन बगहा 1 में करेगा। उक्त बातों की जानकारी मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय संयोजक उमेश अग्रवाल ने दी है। संस्था के कार्यक्रम संयोजक संदीप बैरासिया के अनुसार मारवाड़ी युवा मंच समाज सेवा की एक अग्रणी संस्था हैं। जो निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का तीन दिवसीय विशाल आयोजन किया गया हैं। जिसमें जरुरतमंदो को निःशुल्क अंग लगाया जायेगा। अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल के अनुसार इस पुनीत कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बगहा वासियों की उपस्थिति अपेक्षित है, जिससे हम सदस्यो का मनोबल ऊँचा होगा और हमें सम्मान एवं प्रेरणा मिलेगी। उपरोक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में पिछले कई दिनों से संस्था के अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल,उपाध्यक्ष साकेत रूँगटा, सचिव दीपक टेकरीवाल,कोषाध्यक्ष -श्याम भालोटिया, कार्यक्रम संयोजक संदीप बैरासिया, प्रांतीय संयोजक संदीप बैरासिया, प्रांतीय संयोजक उमेश अग्रवाल, राघव नाथनी, रौशन रूंगटा, प्रीतम अग्रवाल आदि प्रयासरत हैं।

पश्चिम चंपारण में घर-घर होगी कुष्ठ रोगियों की खोज

बीएनएम। बेतिया

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में कुष्ठ रोगियों की खोज के लिए अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत जिले के सभी 18 प्रखंडों के स्वास्थ्य केंद्रों पर 19 सितंबर से आगामी 02 अक्टूबर तक आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग से कुष्ठ रोगियों की खोज की जाएगी। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा ने बताया कि अभियान के बेहतर संचालन को लेकर सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, स्वास्थ्य प्रबंधक, स्वास्थ्य उत्प्रेरक एवं पारा मेडिकल वर्कर को अभियान को लेकर पत्र भेजा गया है। आशाओं को भी निर्देश दिया गया है कि घर-घर रोगियों की खोज करें। उन्होंने बताया कि सघन कुष्ठ रोगी खोज अभियान को लेकर राज्य स्वास्थ्य समिति ने गाइडलाइंस जारी की है। डॉ दीपक कुमार ने बताया कि जिले में अभी 491 कुष्ठ रोगी हैं जिनका इलाज स्वास्थ्य केंद्रों पर चल रहा है। उन्होंने बताया कि कुष्ठ का इलाज संभव है। इसके लिए एमडीटी की टैबलेट ली जाती है। रोगियों को नियमित दवा सेवन की सलाह दी जाती है। कुष्ठ रोग के लक्षण में चमड़ी पर चमड़ी के रंग से फीके या बदरंग दाग धब्बे, जिसमें सुन्नपन हो यानी जिन दागों में खुजली, जलन या चुभन न हो। चेहरे पर लाल, तामिया, तेलिया चमक हो। तंत्रिकाओं में सूजन, मोटापा, हाथ-पैरों में सुन्नपन और सूखापन हो। यह भी कुष्ठ की पहचान है। जांच में कुष्ठ की पुष्टि होने के बाद कुष्ठ रोगियों की पहचान गोपनीय रखी जाती है। दवा का सेवन नहीं करने वाले मरीज अपंगता का शिकार हो सकते हैं। कुष्ठ रोगियों की खोज के लिए जिले में सुपरवाइजर के साथ स्वास्थ्य कर्मियों की टीम को भी लगाया गया है। डॉ एनके प्रसाद, जीएमओ लेप्रोसी कंट्रोल यूनिट एवं डॉ दीपक कुमार ने बताया कि कुष्ठ रोग से ग्रस्त व्यक्ति यदि किसी के साथ लंबे समय तक रहता है और वह दूसरे का तौलिया, चादर आदि इस्तेमाल करता है, तो इससे रोग फैलने का खतरा रहता है। श्रमिक वर्ग में इस तरह की संभावना ज्यादा रहती है। ऐसे में श्रमिकों को इस बात का ध्यान रखना होगा। उन्होंने बताया कि आशा कार्यकर्ता और फैसिलिटेटर अपने पोषक क्षेत्र के सभी घरों में जाकर संभावित लोगों की पहचान कर जांच के लिए पीएचसी या सदर अस्पताल भेजेंगी। इसके लिए आशा कार्यकर्ताओं को प्रति कुष्ठ रोगी की खोज पर 200 रुपया प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाएगा।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

इस्तीफे का फैसला अप्रत्याशित

केजरीवाल का इस्तीफे का फैसला अप्रत्याशित है। वे एक तीर से कई निशाने साध रहे हैं। भ्रष्टाचार पर जवाब दे रहे हैं और सहानुभूति बटोर रहे हैं। राजनीति में मतदाताओं और अपने प्रतिद्वंद्वियों को चौंकाने का या अप्रत्याशित निर्णय करने का अपना महत्व होता है। अरविंद केजरीवाल इसे बहुत अच्छी तरह से समझते हैं। तभी वे अक्सर अपने फैसलों से चौंकाते रहते हैं। याद करें कितनी मेहनत करके उन्होंने दिसंबर 2013 में कांग्रेस से तालमेल किया था। जिसके खिलाफ लड़े थे उसी के आठ विधायकों की मदद लेकर सरकार बनाई और लगा कि सब कुछ ठीक चल रहा है तो उन्होंने महज 49 दिन के बाद ही इस्तीफा दे दिया। वह इस्तीफा अप्रत्याशित था और उसके बाद फरवरी 2015 में हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी को जो बहुमत मिला वह भी अप्रत्याशित था। इसी तरह से केजरीवाल के इस बार के इस्तीफे का फैसला भी अप्रत्याशित है। आमतौर पर माना जा रहा था कि वे गिरफ्तार होंगे या जेल जाएंगे तो इस्तीफा देंगे। लेकिन तब उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया और अभी जब किसी ने इसकी उम्मीद नहीं की थी तो उन्होंने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। उनका इस्तीफा कई स्थितियों का मिलाजुला प्रतिफल है। इसके पीछे पांच महीने बाद होने वाले चुनाव की रणनीति तो है लेकिन कुछ और स्थितियां भी हैं। जैसे केजरीवाल की पार्टी चाहे जो भी दावे करे लेकिन उनको पता था कि सुप्रीम कोर्ट ने जमानत की जो शर्तें लगाई हैं, उससे उनके हाथ बंधे हैं। वे कोई बड़ा नीतिगत फैसला नहीं कर पाएंगे। अगर सरकार लोक लुभावन फैसले करती है तो उप राज्यपाल द्वारा रोके जाने का अलग खतरा है। ऐसे में अगर वे खुद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहते हैं तो चुनाव में जनता को जवाब देना भारी पड़ेगा। दूसरे, उनको यह अंदाजा हो गया था कि गिरफ्तारी से ज्यादा सहानुभूति नहीं पैदा हुई है इसलिए उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ कर सहानुभूति हासिल करने का प्रयास किया है। उनको पता है कि विधानसभा का कार्यकाल पांच महीने से भी कम बचा है। इसलिए नाखून कटा कर शहीद होने में कोई समस्या नहीं है। वे साढ़े नौ साल से ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं। एक कारण यह भी है कि वे भ्रष्टाचार के मसले पर भारतीय जनता पार्टी को जवाब देना और दिल्ली के मतदाताओं को मैसेज देना चाहते थे। दिल्ली शराब नीति केस में नाम आने और गिरफ्तारी के बाद से ही भाजपा के नेता अरविंद केजरीवाल से मुख्यमंत्री पद छोडऩे की मांग कर रहे हैं। जेल से निकलने के बाद भी इस्तीफे की मांग थमी नहीं है। केजरीवाल ने अब इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। सो, अब वे भाजपा नेताओं के हर हमले का जवाब सकेंगे कि उन्होंने तो इस्तीफा दे दिया।

नियद नेल्लानार से जुड़े विकास के तार

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही नियद नेल्लानार योजना मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए नियद नेंल्लानार योजना चलाई जा रही है। इससे क्षेत्रों के विकास में तेजी आई है। मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। नियद नेल्लानार योजना के तहत स्थानीय लोगों को सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए सुरक्षा कैंप खोले गए हैं और इन सुरक्षा कैंपों की पांच किमी की परिधि में आने वाले गांवों में सरकार की 12कल्याणकारी एवं विकास योकजनाओं के अंतर्गत मूलभूत संसाधन जैसे आवास, पानी बिजली,सड़क, स्कूल आदि सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री की इस योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वालों को सार्वभैम सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सस्ते में खाद्यान्न और प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत बस्तर संभाग के 1335 पकरवरों को घरेलू गैस सिलेंडर मिल गया है, जिससे उनका जीवन सहज और खुशहाल हुआ है। नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में 10हजार154 परिवारों का राशनकार्ड बनवाया गया है, जिससे उन्हें सस्ता खाद्यान्न मिलने लगा है।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों के भविष्य की चिंता करते हुए बस्तर संभाग में नक्सल आतंक से बंद हुए42 प्राथमिक शालाओं को फिर से खुलवाया है। मुख्यमंत्री विशणुदेव साय की पहल पर विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लोगों और नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पानी टंकी का निर्माण कराकर सोलर मोटरपंप के माध्यम से स्वच्छजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस तरह राज्य सरकार की नियद नेल्लानार योजना नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग क लोगों के जीवन स्तर को उठाने के साथ ही वरदान साबित हो रही है।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024: भव्यता की पृष्ठभूमि

चिराग पासवान

भारत में खाद्य प्रसंस्करण की यात्रा, देश की सदियों पुरानी बुद्धिमत्ता और प्रगति को अपनाने की क्षमता को दर्शाती है। अचार बनाने और खाद्य पदार्थ सुखाने की प्राचीन परंपराओं से लेकर आज की परिष्कृत तकनीकों तक, भारत ने अपनी समृद्ध पाक-कला विरासत को आधुनिक प्रगति के साथ सहजता से मिश्रित किया है। यह यात्रा सिर्फ लोगों को खाना खिलाने के बारे में नहीं है, बल्कि भारत की पाक-कला को परिभाषित करने वाले विविध और जटिल स्वादों का उत्सव मनाने से भी गहराई से जुड़ी हुई है। भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र, परंपरा और आधुनिकता के संगम-बिंदु पर स्थित परिवर्तनकारी क्षमता का प्रतीक है। कटाई, छंटाई और श्रेणी-निर्धारण से लेकर पैकेजिंग, संरक्षण एवं मूल्य संवर्धन तक की गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करते हुए, खाद्य प्रसंस्करण कृषि और वैश्विक बाजार के बीच की खाई को पाटने में उत्प्रेरक का काम करता है। खाद्य प्रसंस्करण की प्रक्रिया में हमारे खेतों की कच्ची उपज को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त उत्पादों में बदला जाता है, जिससे भारत आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार ने इस क्षेत्र की क्षमता को पहचाना है, जिससे देश आर्थिक आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकता है। उन्होंने समय-समय पर कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के बीच सहजीवी संबंध को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है तथा मूल्य संवर्धन और तकनीकी नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया है। उद्यमियों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने और वैश्विक बाजारों की खोज करने के उनके आह्वान की प्रतिध्वनि मंत्रालय द्वारा की गई पहलों में परिलक्षित होती है। किसानों की आय दोगुनी करने और कृषि-खाद्य निर्यात को बढ़ावा देने का मिशन, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की सफलता से आंतरिक रूप से जुड़ा हुआ है, जो भारत की कृषि संपदा को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के साथ जोड़ने का माध्यम है। 2047 तक विकसित भारत के आह्वान में, एक ऐसे भारत की परिकल्पना की गई है, जो समृद्धि, नवाचार और सतत विकास के प्रकाश-पुंज के रूप में उभरने के लिए अपनी चुनौतियों से पार पा चुका है। इस विजन के केंद्र में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र है, जो खाद्य सुरक्षा बढ़ाने, रोजगार सृजन करने और निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। चूंकि हम एक नए युग की दहलीज पर खड़े हैं, जो 2047 तक विकसित भारत के कालखंड में प्रवेश करेगा, इसलिए भारत के कृषि कौशल को वैश्विक महाशक्ति बनाने से संबंधित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन, आगामी वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2024 में स्पष्ट रूप से व्यक्त होगा, जिसे मेरा मंत्रालय 19 से 22 सितंबर 2024 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित कर रहा है। यह प्रतिष्ठित आयोजन, नवाचार, उद्यमिता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक वास्तविक संगम है, जो एक पुनरुत्थानशील और समृद्ध भारत की दिशा में आगे बढ़ने के मार्ग को रोशन करने का कार्य करता है और अपने लोगों की आकांक्षाओं को पूरी तरह से साकार करता है। वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2023 की शानदार सफलता वैश्विक खाद्य परिदृश्य में भारत के बढ़ते महत्व का प्रमाण है। यह एक ऐसा आयोजन था, जिसमें वैश्विक विचारक, उद्योग जगत के दिग्गज और नीति निर्माता एक मंच पर आये। यह आयोजन नवाचार का वास्तविक भंडार था, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, पैकेजिंग समाधान और सतत विकास से जुड़े तौर-तरीकों की नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण के क्षेत्र में भारत की पूरी क्षमता का प्रदर्शन किया गया, जिसने निवेश आकर्षित किया और साझेदारी बनाई। इसने 2024 में और भी भव्य आयोजन के लिए मंच

तैयार किया। वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2024 खाद्य प्रसंस्करण इकोसिस्टम के सभी घटकों को शामिल करने के लिए अपने दायरे का विस्तार करने के साथ, इस विरासत को आगे बढ़ाने का वादा करता है। बीज से लेकर दुकानों तक, उद्योग के हर पहलू को सावधानीपूर्वक तैयार और प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें प्रतिभागियों को अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, सहयोग बनाने और नए बाजारों को तलाशने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। यह आयोजन भारत के लिए गुणवत्ता, नवाचार और सतत विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण के वैश्विक केंद्र के रूप में इसकी स्थिति मजबूत होती है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में व्यवसायों, उद्यमियों और हितधारकों के लिए, वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में भागीदारी केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता है। यह आयोजन उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तियों से जुड़ने, नवीनतम तकनीकी प्रगति का पता लगाने और खाद्य उद्योग के भविष्य को आकार देने वाली उपभोक्ता की उभरती प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के अवसरों का एक अनूठा संगम प्रदान करता है। इसके अलावा, वर्ल्डफूड इंडिया 2024 नेटवर्किंग और साझेदारी-निर्माण का अवसर प्रदान करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक संगम-स्थल के रूप में काम करेगा, जिससे कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम का विस्तृत प्रदर्शनी स्थल, विषयगत सत्र और आपसी-संवाद मंच प्रतिभागियों को जटिल वैश्विक खाद्य परिदृश्य को समझने के लिए आवश्यक उपकरण एवं ज्ञान प्रदान करता है, साथ ही प्रतिभागियों को अपने उत्पादों और सेवाओं को सम्मानित वैश्विक दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रदान करता है। स्टार्ट-अप्स के उत्साह और सरलता से प्रेरित होकर, मेरे मंत्रालय ने स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज के बहुप्रतीक्षित दूसरे संस्करण का अनावरण किया है। यह शानदार पहल भारत के कृषि-खाद्य और संबद्ध क्षेत्रों में आमूल-चूल बदलाव को उत्प्रेरित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कचरे के मूल्य निर्धारण, पौष्टिक और अमृतमय खाद्य उत्पादों के निर्माण एवं जल उपयोग दक्षता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लक्षित करके, यह चैलेंज नवाचार की क्रांति को शुरू करने का लक्ष्य रखता है, जिससे इस क्षेत्र को परिवर्तनकारी क्षमता से भरे भविष्य की ओर आगे बढ़ने में गति मिलेगी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन, वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2024 के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है। दूरदर्शी दिग्गजों का यह समागम एक सुरक्षित, सुदृढ़ खाद्य प्रणाली बनाने के हमारे सामूहिक संकल्प के लिए एक अदम्य प्रमाण के रूप में कार्य करेगा, जहां प्रत्येक हिस्सा सतर्कता से अटूट समर्पण के साथ संरक्षित होगा। इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से, हम खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों पर विजय पाने और एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए अपनी साझी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जहां भोजन न केवल सुरक्षित हो, बल्कि सभी के लिए विश्वास और पोषण का आदर्श हो। यह वैश्विक सहयोग और प्रगति के सार को दर्शाता है, जो हमारे सबसे गहन मूल्यों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है। वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2024 के भव्य ताने-बाने में, विशेष ध्यान के केंद्र-बिंदु परिवर्तनकारी बदलाव के वास्तविक प्रकाश-पुंज के रूप में खड़े हैं, जो देश के खाद्य क्षेत्र को एक शानदार भविष्य की ओर ले जा रहे हैं। खाद्य विकिरण; खाद्य-उत्पादों की सुरक्षा और शेल्फ लाइफ की दोहरी पवित्रता सुनिश्चित करता है और हमारे भोजन को दूषित होने से बचाता है। पादप-आधारित प्रोटीन नवाचार के अगुआ हैं, जो गहन प्रभाव के साथ सतत पोषण प्रदान करते हैं। न्यूनतम अपशिष्ट, अधिकतम मूल्य का दर्शन, दक्षता का प्रतीक है, जो उत्पादन के प्रत्येक अंश को अमूल्य संसाधनों में बदल देता है। टिकाऊ पैकेजिंग, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती है और हमारे पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करती है।

कांग्रेस को बर्बाद करने की बकायदा कॉन्ट्रैक्ट

मनु श्रीवत्स

कांग्रेस जिस अंदाज से चुनाव मैदान में उतरी है उसे देखते हुए तो यही माना जा सकता है कि बहुत ही 'खूबसूरती के साथ उसके साथ एक ऐसा 'खेला हो चुका है कि अब कोई बड़ा 'चमत्कार ही उसे चुनाव परिणामों में सम्मानजनक स्थान दिला सकता है। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने एक नही कई सारे 'सेल्फ गोल एक साथ कर लिए हैं। कोई माने या न माने चुनाव में पार्टी बुरी तरह से पिछड़ती नजर आ रही है। जिस अनमने ढंग से कांग्रेस जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रही है उसे देखते हुए ऐसा लगता है मानों किसी ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस को बर्बाद करने की बकायदा 'सुपारी ले रखी हो ? कांग्रेस जिस अंदाज से चुनाव मैदान में उतरी है उसे देखते हुए तो यही माना जा सकता है कि बहुत ही 'खूबसूरती के साथ उसके साथ एक ऐसा 'खेला हो चुका है कि अब कोई बड़ा 'चमत्कार ही उसे चुनाव परिणामों में सम्मानजनक स्थान दिला सकता है। कांग्रेस के साथ किस किसने 'खेल खेला, यह तो समय के साथ साफ होता चला जाएगा लेकिन भीतरघात के कुछ संकेत तो अभी से ही दिखाई दे रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने एक नही कई सारे 'सेल्फ गोल एक साथ कर लिए हैं। कोई माने या न माने चुनाव में पार्टी बुरी तरह से पिछड़ती नजर आ रही है। दस वर्षों बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। मगर कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को देखकर लगता है जैसे उसे हल्का सा भी आभास नहीं था कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। जिस दिन निर्वाचन आयोग ने चुनाव घोषित किए ठीक उसी दिन कांग्रेस ने अपना प्रदेश अध्यक्ष बदलकर अपनी 'तैयारियों का पहला प्रमाण दे दिया था। पार्टी ने वकार रसूल वानी की जगह तारीक हमीद कर्रा को नया अध्यक्ष बना दिया। वानी को अगस्त-2022 में उस समय प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया था जब गुलाम नबी आज़ाद के साथ बड़ी संख्या में लोग पार्टी छोड़ रहे थे। वानी को आज़ाद का खास आदमी माना जाता था मगर वानी ने उस संकट के समय पार्टी नही छोड़ी और आज़ाद के कारण टूट रही पार्टी को संभालने का पूरा प्रयास किया। लेकिन विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अचानक वानी को बदलने का फैसला लेकर कांग्रेस ने उनकी दो साल की कोशिशों पर तो पानी फेरा ही, साथ ही साथ यह संदेश भी दे दिया कि पार्टी के लिए वफादार बने रहने का कोई मतलब नही है। कांग्रेस ने नया अध्यक्ष बनाया भी तो ऐसे व्यक्ति को बनाया जो कभी भी खुद को एक कांग्रेसी के रूप में ढाल ही नही सका है। गौरतलब है कि नवनियुक्त अध्यक्ष तारीक हमीद कर्रा पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) छोड़कर कांग्रेस में आए थे। लेकिन कांग्रेस में आने के बाद भी बहुत अधिक सक्रिय कभी भी नही रहे हैं। किसी मुद्दे पर बोलते भी कर्रा कभी नज़र नही आए हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी उपस्थिति बहुत कम रही है। सच्चाई यह है कि कर्रा को प्रदेश की राजनीति में कोई बहुत बड़ा नाम नही माना जाता है। कर्रा को एकाएक अध्यक्ष बनाए जाने से कांग्रेस को कोई बहुत बड़ा राजनीतिक लाभ मिलने वाला तो कतई नही था। फिर भी उन्हें अध्यक्ष बनाया जाना हैरान करने वाला फैसला था। पूरी प्रदेश कांग्रेस, विशेषकर जम्मू संभाग की इकाई के लिए कर्रा बिलकुल नए हैं। उनका पार्टी नेताओं तक से संपर्क भी बहुत कम रहा है। अध्यक्ष बनने के बाद अभी तक सिर्फ दो बार कर्रा जम्मू आ सके हैं। किसी भी जिले का अभी तक कर्रा दौरा तक नही कर सके हैं। कर्रा खुद भी चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में क्या वे अध्यक्ष के रूप में मिली ज़िम्मेदारी से न्याय कर सकते हैं ? दिलचस्प तथ्य यह है कि प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति का लगभग हर बड़ा नेता चुनाव लड़ रहा है। कर्रा के अतिरिक्त दोनों कार्यकारी अध्यक्ष भी अपना-अपना चुनाव लडऩे में व्यस्त हैं। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने गलतियों पर गलतियां की हैं। एक और बड़ी गलती कांग्रेस ने नए प्रदेश अध्यक्ष के साथ दो कार्यकारी अध्यक्ष बना कर कर दी। रमण भल्ला पहले से ही कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे थे मगर उनके साथ तारा चंद को भी कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया गया। दोनों एक ही ज़िले से संबंध रखते हैं। ताराचंद अगस्त 2022 में पार्टी छोड़कर गुलाम नबी आज़ाद के साथ चले गए थे। बाद में दिसंबर 2022 में उन्होंने पार्टी में वापसी कर ली। सवाल उठता है कि पार्टी छोड़ देने वाले व्यक्ति को आखिर क्या सोच कर कांग्रेस ने कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया। उन्हें इनाम दिया गया या कोई अन्य बड़ी 'मजबूरी थी। प्रदेश में 2009 से 2015 तक रही कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस सरकार में ताराचंद उप-मुख्यमंत्री थे। उस दौरान उन पर कई बार कई गंभीर आरोप लगे, जिनका जवाब देने में कांग्रेस को बहुत मुश्किल हुआ करती थी। लेकिन बावजूद इस सबके ताराचंद को कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया जाना कांग्रेस की अस्पष्ट नीतियों का एक बड़ा प्रमाण है। कांग्रेस का कहना है कि ताराचंद को अनुसूचित जातियों का नेता होने के नाते कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। मगर यहां भी सवाल उठता है कि अगर ऐसा करना था तो फिर मूलाराम को क्यों नही कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया? मूलाराम वरिष्ठ भी हैं और पार्टी के प्रति लगातार वफ़ादार भी रहे हैं। यही नही कांग्रेस ने गुलाम नबी आज़ाद के साथ जाने वाले नेताओं के लिए भी दोहरी नीति अपनाई। जो नेता दिसंबर 2022 में आज़ाद को छोड़कर वापस कांग्रेस में लौट आए थे उन्हें कांग्रेस ने खुशी-खुशी गले लगा लिया। ताराचंद भी उनमें से एक थे और किसी समय आज़ाद के सबसे करीबी नेता माने जाते थे। ताराचंद सहित जो लोग दिसंबर 2022 में वापस आए थे उनमें से कईं को इस बार कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार भी बनाया है। लेकिन गुलाम नबी आज़ाद के साथ पार्टी छोड़ कर जाने वाले जो नेता विधानसभा चुनाव के समय वापसी करना चाहते थे मगर उनके लिए दरवाज़े बंद कर दिए गए। इन नेताओं में गुलाम मोहम्मद सरूरी, मजीद वानी और जुगल किशोर शर्मा प्रमुख हैं। सरूरी इंद्रवाल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ते रहे हैं और लगातार जीतते रहे हैं। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें यह कह कर टिकट नहीं दी कि वे आज़ाद के साथ चले गए गए थे। सरूरी अब स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। इंद्रवाल की तरह ही कांग्रेस ने कटड़ा-माता वैष्णोदेवी से भी टिकट देने में सिर्फ जुगल किशोर को इसलिए मना कर दिया क्योंकि जुगल किशोर शर्मा भी गुलाम नबी आज़ाद के साथ चले गए थे। जुगल किशोर शर्मा 2002 से 2008 तक रही कांग्रेस-पीडीपी सरकार में केबिनेट मंत्री रह चुके हैं। कटड़ा-वैष्णोदेवी सीट से जुगल किशोर शर्मा एक सशक्त उम्मीदवार साबित हो सकते थे। मगर कांग्रेस ने अंतिम समय पर उन्हें अपना उम्मीदवार बनाने से मना कर दिया। यही नही कांग्रेस ने कटड़ा-वैष्णोदेवी सीट से राजपूत प्रत्याशी मैदान में उतारा है जबकि यह एक ब्राह्मण बहुलता वाला इलाका है। जुगल किशोर शर्मा बगल की रियासी सीट से भी टिकट के इच्छुक थे मगर यहां से भी कांग्रेस नही मानी और उन्हें टिकट नही दी। उल्लेखनीय है कि कटड़ा-वैष्णोदेवी परिसीमन में नई सीट बनाई गई है। पहले यह क्षेत्र रियासी विधानसभा क्षेत्र का ही एक हिस्सा था। कांग्रेस ने जुगल किशोर शर्मा को मना करते समय एक और गलती यह कर दी कि रियासी जैसी हिन्दू बहुल सीट पर एक मुस्लिम प्रत्याशी को उतार दिया। यह फैसला भी कई कारणों से घातक ही साबित होने वाला है। ध्रुवीकरण का लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिलना तय है। जिस ढंग से कांग्रेस में सीटों का बंटवारा हुआ है उससे साफ तौर पर आशंका है कि 2014 की पुनरावृत्ति हो सकती है।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज आप दफ्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करेंगे और वह काम करेंगे, जो आपको पसंद है। बीते दिनों में जितना धन इन्वेस्टमेंट किया था, उसका फायदा आपको आज मिल सकता है। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और खुशनुमा बनाये रखेगा साथ ही आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको कार्यों में परिवार का सहयोग मिलेगा। साथ ही आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे। सभी लोग आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे। आप अपने बिजी दिन में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने आप को काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल होंगे। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के अवसर मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमा कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे। आज का दिन आनंद से भरा रहेगा, आप जिंदगी को पूरी तरह जिएंगे। आज लंबे समय से कर्जा आदि से आखिरकार आपको छुटकारा मिल जाएगा।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा। उच्च अधिकारियों द्वारा आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय कर रहे लोग नई-नई योजनाओं को लागू करेंगे, जिससे व्यापार को आगे बढ़ा सके। सगे-संबंधियों से आपको सहायता मिल जाएगी। आज किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए बढिय़ा रहने वाला है। परिवार का सहयोग मिलेगा। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जाने की योजना बनाएंगे। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी को आप कोई नया कार्य शुरू करा सकते हैं। आप जीवनसाथी के साथ परिवार की भलाई के लिए कार्य करते हुए नजर आएंगे और सदस्यों का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।

कन्या राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है।आज शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आज आपमे चुस्ती फुर्ती रहेगी, आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज बिना किसी मदद के भी आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे, बस आपको खुद पर विश्वास करने की जरूरत है। आज की शाम अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या घूमना आपको सुकून देगा और खुशमिजाज बनाए रखेगा।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। मित्रों की सहायता से आपको नए-नए कांटेक्ट मिलेंगे। आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपको परिवार का सहयोग मिलेगा। अपने बिजी दिन में कुछ समय अपने लिए निकालेंगे, उस समय में अपने पसंदीदा कार्य करेंगे।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी पार्टी में सम्मिलित होंगे, जहां अन्य लोगों से मेल-मिलाप होगा। किसी खास व्यक्ति से हुई मुलाकात से आपका रुका हुआ काम पूरा हो जायेगा। अपनी क्षमताओं को पहचाने क्योंकि आपके अंदर ताकत की नहीं बल्कि इच्छा शक्ति की कमी है।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए आनंदायक रहने वाला है। आपका मित्र आपसे मिलने आएगा, जिससे मिलकर अपनी पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार की याद आएगी। अगर आपने पहले कोई निवेश किया हुआ है तो उसका भी पूरा लाभ मिलेगा।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रतिदिन की दिनचर्या में सैर को शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कोई मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आज आपको बेकार की बातों में उलझने से बचना चाहिए। जिंदगी में चल रही भागदौड़ के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हों।

मीन राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही किसी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

शब्द सामर्थ्य -184

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

1	2		3	■	4	5	■	■
6		■	7				8	■
9		10		■		■	11	
12			■	13		14		■
■	15				■		■	16
17	■		■	18			■	
19		■	■	■	■	20	21	
	■	22		23		■	24	
25			■	26				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 183 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सूडोकु नवताल- 7195

★★★✫✩ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7194 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अगर आप अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, लेकिन उसकी सफलता को लेकर आश्वस्त नहीं हैं तो बेहतर होगा कि किसी ब्रांडेड कंपनी की फ्रेंचाइजी ले लें। यह ऐसा काम है, जिसमें निश्चित सफलता है और आमदनी का बेहतर जरिया भी।

कैसे करें फ्रेंचाइजी की शुरुआत

क्या है फ्रेंचाइजी

फ्रेंचाइजी का मतलब है किसी नामी–गिरामी कंपनी के नाम का इस्तेमाल करके उसके प्रोडक्ट को बेचना और उसी के नाम से व्यापार करना। यह एक ऐसा काम है, जिसे बड़ी मेट्रो सिटी से लेकर छोटे से शहर, गांव और कस्बे तक में शुरू किया जा सकता है। बड़े शहरों में जिस तरह से कंपनियों ने अपनी चेन स्थापित कर ली है, उसे छोटे शहरों में विस्तार दिया जा सकता है और इन नामी–गिरामी कंपनियों की चेन खोल कर आप अपने बिजनेस को नया आयाम दे सकते हैं। वहीं छोटे कस्बों और गांवों में कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर आदि की फ्रेंचाइजी लेकर अपने बिजनेस को स्थापित कर सकते हैं।

कैसे करें शुरुआत

आप मार्केट में यह देख लें कि किस कंपनी की फ्रेंचाइजी नहीं है और किस क्षेत्र में ज्यादा कस्टमर आ सकते हैं। फ्रेंचाइजी लेने से पहले संबंधित कंपनी के नियम और शर्तों को अच्छे से देख लें और अगर उन शर्तो को पालन करने में सक्षम हैं तो संबंधित कंपनी में फ्रेंचाइजी के लिए आवेदन करें। फ्रेंचाइजी लेने के बाद आपको मार्केट में एक शॉप खोलनी होगी, जहां आप संबंधित कंपनी के प्रोडक्ट की बिक्री कर सकें।

कंपनी का चुनाव

आप जिस जगह अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, वहां के मार्केट की स्थिति को देखते हुए कंपनी का चुनाव करें, क्योंकि अगर आप किसी गांव में किसी बड़ी फूड चेन की फ्रेंचाइजी ले लेंगे तो उसका बिजनेस चलाना मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा आप अपनी आर्थिक स्थिति का ध्यान रखते हुए भी कंपनी का चुनाव करें। छोटी कंपनियों की फ्रेंचाइजी आसानी से मिल जाती है, जबकि बड़ी कंपनियों की फ्रेंचाइजी लेने के लिए ज्यादा रुपए खर्च करने पड़ते हैं।

किन क्षेत्रों में ले सकते हैं फ्रेंचाइजी
बाजार में हर क्षेत्र में छोटी–बड़ी कंपनियां उपलब्ध हैं, जो अपने विस्तार के लिए फ्रेंचाइजी दे रही हैं। आप अपनी रुचि के अनुसार और मार्केट की स्थिति को देखते हुए कंपनी की फ्रेंचाइजी ले सकते हैं। खाने के सामान, रिटेल स्टोर, कपड़े, किताबों की दुकानें, महिलाओं के ब्रांड, ज्वेलरी प्रोडक्ट, एजुकेशन, फाइनेंशियल सर्विस, रियल एस्टेट, ट्रैवल, होटल, एंटरटेनमेंट, आईटी और हेल्थ आदि सभी क्षेत्रों की बड़ी कंपनियां अपनी फ्रेंचाइजी आसानी से दे रही हैं।

पूंजी – फ्रेंचाइजी लेने के लिए आपको संबंधित कंपनी में सिक्योरिटी मनी जमा कराना होगा। इसके अलावा अपनी शॉप को बनाने और उसके रखरखाव पर कुछ राशि खर्च करनी पड़ सकती है। बिजनेस के विस्तार के बाद आप इसमें और ज्यादा राशि का निवेश कर सकते हैं और चाहें तो कुछ अन्य कंपनियों की फ्रेंचाइजी भी ले सकते हैं।

आमदनी – किसी भी ब्रांडेड कंपनी की फ्रेंचाइजी शुरू करने पर काफी मेहनत करनी पड़ती है। ब्रांडेड कंपनियों की फ्रेंचाइजी लेने पर शुरुआती दिनों में भी अच्छी रकम कमाई जा सकती है, क्योंकि उनके नाम से परिचित और प्रभावित होने के कारण ग्राहक खुद–ब–खुद आपके आउटलेट की ओर खिंचा चला आता है। व्यवसाय के विस्तार के साथ आमदनी का दायरा बढ़ता जाता है।

संभावना – भारत की मेट्रो सिटीज में तो फ्रेंचाइजी ने अपनी पकड़ बना ली है, लेकिन छोटे शहर और कस्बों में यह अपने शुरुआती दौर में है। आने वाले दिनों में छोटे शहरों में इसका काफी विस्तार होने वाला है, क्योंकि छोटे शहर के लोग भी अब ब्रांड कॉन्शस हो गए हैं और वह ब्रांडेड प्रोडक्ट को प्राथमिकता देने लगे हैं। ऐसे में ह कहा जा सकता है कि इसमें असीम संभावनाएं हैं।

फ्रेंचाइजी के लिए क्या हैं शर्तें

कंपनियां फ्रेंचाइजी देने के लिए सामान्य तौर पर कुछ खास शर्तें रखती हैं, जैसे आपके पास पर्याप्त जगह हो और फ्रेंचाइजी देने के बदले कंपनी कुछ सिक्योरिटी मनी भी लेती है। कंपनियां कुछ नियत समय के लिए फ्रेंचाइजी देती हैं और नियत समय के बाद उसका नवीनीकरण करती हैं।

किन्हें मिल सकती है फ्रेंचाइजी

फ्रेंचाइजी लेने के लिए किसी खास डिग्री की जरूरत नहीं होती। बिजनेस की समझ, जोखिम उठाने की क्षमता और फ्रेचाइजी की शर्त जैसे जगह, सिक्योरिटी मनी आदि को पूरा करने वाले किसी भी साधारण इंसान को नामी–गिरामी कंपनियों की फ्रेंचाइजी मिल सकती है।

‘अर्थव्यवस्था’ का आशय ऐसी व्यवस्था से है, जिसके केंद्र में अर्थ हो। यदि देखा जाए तो विश्व की संपूर्ण व्यवस्था चाहे वह राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक हो, व्यवस्थाओं के केंद्र में अर्थ रहा है। अतः अर्थव्यवस्था का अध्ययन बेहद अहम है।

अर्थशास्त्र की मूलभूत संकल्पनाओं को समझें

सामान्यत : छात्रों के लिए अर्थशास्त्र कठिन विषय रहता है, पर अर्थशास्त्र की मूलभूत संकल्पनाओं को समझ लिया जाए तो यह बेहद आसान हो जाता तथा इसे हमें याद करने की जरूरत नहीं पड़ती। अध्ययन की सुविधा हेतु अर्थव्यवस्था एवं भारतीय अर्थव्यवस्था नामक दो भागों में अर्थशास्त्र को विभाजित कर लेना चाहिए। ‘अर्थव्यवस्था’ का आशय ऐसी व्यवस्था से है, जिसके केंद्र में अर्थ हो। यदि देखा जाए तो विश्व की संपूर्ण व्यवस्था चाहे वह राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक हो, व्यवस्थाओं के केंद्र में अर्थ रहा है। अत : अर्थव्यवस्था का अध्ययन बेहद अहम है।
अर्थव्यवस्था का अध्ययन करने से पहले आर्थिक शब्दावलियों को समझ लेना जरूरी है। इन शब्दावलियों से भी प्रश्न पूछे जाते हैं। बैंकिग की भर्ती परीक्षाओं में प्राय : बैंक रेट, रेपो रेट व रिवर्स रेपो रेट का वर्तमान प्रतिशत पूछा जाता है। अभ्यर्थी इसे याद करने की कोशिश करते हैं और बार–बार भूल जाते हैं। इसके लिए मात्र एक लाइन समझ लेनी होगी कि रेपो रेट हमेशा बैंक रेट से एक प्रतिशत अधिक होगा और रेपो रेट से एक प्रतिशत अधिक रिवर्स रेपो रेट होगा। साथ ही हमें इन आर्थिक शब्दावलियों का अनुप्रयोग भी जानना चाहिए। प्राय : यह प्रश्न पूछा जाता है कि यदि आरबीआई, एसएलआर को कम कर दें तो भारतीय ऋण व्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा। महंगाई पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? इस संकल्पनात्मक एवं अनुप्रयोगात्मक प्रश्नों के उत्तर हम तभी दे पाएंगे, जब हमें इसकी समझ होगी। इसके अलावा आर्थिक विकास एवं आर्थिक संवृद्धि के अंतर को भी समझना आवश्यक है। सतत विकास एवं हरित विकास की अवधारणाओं के साथ–साथ आर्थिक लेखांकन की जगह अब सामाजिक–आर्थिक लेखांकन व हरित लेखांकन से प्रश्न पूछे जाते हैं।
अत : हमें अर्थशास्त्र की सामान्य/ मूलभूत संकल्पनाओं का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान होना जरूरी है। भारतीय अर्थव्यवस्था की तैयारी के लिए अर्थव्यवस्था की समस्त संकल्पनाओं का अध्ययन भारत के परिप्रेक्ष्य में करना होगा। जैसे भारत की आर्थिक वृद्धि, जीडीपी, एनएनपी भारत में सतत विकास, भारत में हरित विकास, भारत में सामाजिक आर्थिक लेखांकन तथा हरित लेखांकन इत्यादि का अध्ययन करना होगा। इसके साथ–साथ भारत में नियोजन के अंतर्गत भारत में प्रारंभ से लेकर वर्तमान की पंचवर्षीय योजनाओं के बारे में जानकारी होनी चाहिए। प्राय : पंचवर्षीय योजनाओं व योजना आयोग की स्थापना व संगठन से प्रश्न पूछे जाते हैं। भारतीय वित्त एवं बैंकिग प्रणाली का अध्ययन भी करना चाहिए। इस टॉपिक के अंतर्गत भारतीय वित्त व्यवस्था के तहत प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर राजस्व प्राप्तियां व राजस्व व्यय, भारतीय बैंकिंग प्रणाली में रिजर्व बैंक द्वारा प्रत्येक तिमाही की मौद्रिक नीति समीक्षा पर ध्यान देना होगा। यदि रिजर्व बैंक अपने साख नियंतक के औजारों में कोई परिवर्तन करता है तो इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यहां से प्रश्न पूछे जाने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा भारत में उपलब्ध खनिज संसाधन व उनके दोहन तथा भारत के विदेशी व्यापार से भी प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रत्येक वर्ष के आम बजट व रेल बजट से भी प्रश्न पूछे जाते हैं। इन बजटों के संदर्भ में यह देखना होगा की यदि कोई लोक–लुभावन या अधिक लाभांवित करने वाली योजना की घोषणा की गई है तो वहां से आवश्यक रूप से प्रश्न पूछे जाते हैं।

जुनून को जिन्दा रखें

हम अपने दैनिक जीवन में यह बात हमेशा सुनते रहते हैं कि पैसे से सुख को नहीं खरीदा जा सकता, लेकिन यदि आप अपने जीवन से खुश हैं, आनंदित हैं तो इसके माध्यम से आप वह सब कुछ अर्जित कर सकते हैं, जिसकी आपको जरूरत है। इस बात का प्रमाण पेश किया मनोवैज्ञानिक स्र्ली ब्लॉन्निक ने।
ब्लॉन्निक ने अपनी रिसर्च में ऐसे लोगों की दो श्रेणियां बनाईं, जिसमें से एक ग्रुप के पास बहुत सारा पैसा था। दूसरा जिनके पास पैसा तो नहीं था, लेकिन उन्हें अपने काम से प्यार था और किसी भी हद तक सफलता प्राप्त करने का जुनून था। इसके लिए उन्होंने 1500 लोगों को अपनी रिसर्च का हिस्सा बनाया।
ब्लॉन्निक ने अपनी रिसर्च को 20 वर्ष तक लगातार करते रहने के बाद पाया कि दूसरे समूह के लोग, जिन्हें अपने काम से प्यार था, उनमें से 101 लोग करोड़पति बन गए हैं। लेकिन पहले समूह के लोग, जिन्हें सिर्फ अपने पैसे से प्यार था और अपने पैसे का दंभ था, उनमें से केवल एक ही व्यक्ति करोड़पति बन सका है। रिसर्च में इसका जो सबसे बड़ा कारण निकल कर आया, वह यह था कि जब हम किसी काम को दिल से नहीं करते तो छोटी–छोटी चीजों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो बहुत काम की होती हैं। जबकि जब कोई काम जुनून के साथ किया जाता है, तब हम छोटी से छोटी बात को भी बहुत बड़ी समझ कर करते हैं। इससे काम करने में न सिर्फ मजा आता है, बल्कि इसके माध्यम से आप वह सब हासिल कर सकते हैं, जो व्यक्ति पैसे के माध्यम से हासिल करना चाहता है मसलन धन, दौलत, शोहरत इत्यादि।
ारत के सबसे प्रसिद्ध डांसरों में से एक और देश में माइकल जैक्सन के नाम से जाने जाने वाले प्रभु देवा के बारे में बहुत कम लोगों को पता होगा कि उनका प्रारंभिक जीवन मैसूर की तंग गलियों की एक चॉल में बीता। लेकिन बचपन से माइकल जैक्सन जैसा बनने की तमन्ना ने उनके रास्ते के सभी रोड़ों को एक–एक कर हटा दिया। पांच भाई–बहनों के साथ एक छोटी–सी चॉल में अपना जीवन व्यतीत करने वाले प्रभु देवा ने अपने एक इंटरव्यू में कहा कि मुझे बचपन से ही डांस का इतना ज्यादा जुनून था कि मैं सोते–जागते सिर्फ डांस का ही सपना देखता था। इसीलिए जब रात को लेटे हुए भी कोई डांस का सीन याद आता था तो मैं चुपके से उठ कर चॉल के एक कोने में खड़े होकर वह स्टेप कर लेता था। कहीं मैं सुबह जागूं और वह स्टेप भूल न जाऊं, इसलिए मैं ऐसी हरकतें करता रहता था। आज भला प्रभु देवा को कौन नहीं जानता और उनके पास किस चीज की कमी है।

जुनून से ऊर्जा पैदा होती है

बिना जुनून के साथ किया गया कोई भी काम आपको कठिन लगता है, जबकि इसी काम को यदि आप एक पैशन के साथ करते हैं तो आपके भीतर ही भीतर एक ऊर्जा का संचार होता है और आप कठिन काम को भी बहुत आसानी के साथ कर जाते हैं। सचिन तेंदुलकर के 1989 के पाकिस्तान के खिलाफ सियालकोट के उस मैच को भला कौन भूल सकता है, जब 16 साल के सचिन तेंदुलकर को फेंकी गई गेंदें उनका जबड़ा और नाक तोड़ गई और क्रिकेट के दिग्गजों कपिल देव और रवि शास्त्री के साथ–साथ डॉक्टर ने भी उन्हें आराम करने की सलाह दे डाली, लेकिन इन सबकी परवाह किये बिना सचिन मैदान में डटे रहे और शतक ठोक कर ही मैदान से बाहर निकले। इसीलिए कहते हैं कि जब जुनून पैदा होता है तो ऊर्जा अपने आप आपके भीतर समा जाती है।

मायने बदलने में मददगार

जब आप किसी से प्यार करते हैं तो जीवन जीने का आपका सलीका भी उसी के हिसाब से बदल जाता है। यही बात लागू होती है जुनून के बारे में। जुनून एक ऐसा शब्द है, जो मन में जज्बात पैदा करता है। यह जज्बात कुछ कर गुजरने के लिए होते हैं, जो आपको साधारण से अलग असाधारण की श्रेणी में खड़ा कर देते हैं। इससे एक सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास होता है, जो प्रत्येक नकारात्मक चीज को सकारात्मक नजरिये में तब्दील कर देता है। जुनून के सन्दर्भ में अमेरीकी लेखक जोसेफ कैम्पबेल का कहना है कि जुनून किसी भी व्यक्ति की कमियों को दूर करने, उसकी असफलताओं को खत्म करने और उसकी क्षमता से अधिक परिणाम देने में मददगार होता है। एक तरह से वह आपके कार्य के दौरान एक उत्प्रेरक की भूमिका अदा करता है, आपके कार्य को गति देता है।

जब हम किसी काम को दिल से नहीं करते तो छोटी-छोटी चीजों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो बहुत काम की होती हैं। जबकि जब कोई काम जुनून के साथ किया जाता है, तब हम छोटी से छोटी बात को भी बहुत बड़ी समझ कर करते हैं। इससे काम करने में न सिर्फ मजा आता है, बल्कि इसके माध्यम से आप वह सब हासिल कर सकते हैं, जो व्यक्ति पैसे के माध्यम से हासिल करना चाहता है मसलन धन, दौलत, शोहरत इत्यादि।

गंभीर की कोचिंग में टीम और सफलताएं हासिल करेगी : द्रविड़

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने नये कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके मार्गदर्शन में टीम और अधिक सफलता हासिल करेगी। द्रविड़ ने कहा कि गंभीर को काफी अनुभव है, ऐसे में उनके आने से भारतीय टीम को लाभ होगा। साथ ही कहा कि एक खिलाड़ी के तौर पर भी गंभीर को लंबा अनुभव है जिसका भी लाभ उन्हें मिलेगा। उन्होंने आईपीएल में काफी कोचिंग की है। मुझे भरोसा है कि वह भारतीय टीम के कोच की भूमिका में सफल साबित होंगे। द्रविड़ के कोच रहते हुए भारतीय टीम ने खेल के तीनों प्रारूप में अच्छी सफलता हासिल की थी। टीम ने 24 टेस्ट में 14 में जीत दर्ज की जबकि 53 में से 36 एकदिवसीय और 70 में से 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत दर्ज की थी हालांकि टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा पर इस साल टी20 विश्व कप में टीम जीती थी। गंभीर का भारतीय टीम के साथ कार्यकाल पिछले महीने श्रीलंका दौरे पर शुरू हुआ जहां भारतीय टीम को टी20 सीरीज में जीत मिली जबकि एकदिवसीय श्रृंखला में उसे हार का सामना करना पड़ा। गंभीर ने भारतीय टीम के लिए 164 टेस्ट में 13288 और 344 एकदिवसीय में 10889 रन बनाये हैं। द्रविड़ ने कहा, ''कोई भी कोच हालातों से निपटने के लिए अपने अनुभव और ज्ञान का इस्तेमाल करता है। मुझे भरोसा है कि गंभीर भी अपने सहयोगी स्टाफ के साथ जो भी फैसले लेंगे उससे टीम को लाभ ही होगा। भारतीय टीम को अगले कुछ महीने में करीब दस टेस्ट मैच खेलने हैं बांग्लादेश के अलावा उसे न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अगले साल इंग्लैंड दौरे पर भी जाना है।

भारतीय पहलवान संग्राम मिक्स्ड मार्शल आर्ट में उतरने को तैयार

पाकिस्तान के नासिर से होगा पहला मुकाबला

त्बिलिसी । भारत के हैवीवेट कुश्ती चैंपियन संग्राम सिंह यूरोपियन यूनिवर्सिटी में होने वाली गामा इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप में पाकिस्तान के अली रजा नासिर से मुकाबले को तैयार हैं। पहलवान संग्राम इसी के साथ ही मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) में उतरेंगे। अभी वह अपने इस पहले एमएमए मुकाबले के लिए 2-3 किलोग्राम वजन बढ़ाने में लगे हुए हैं। संग्राम ने कहा कि तैयारी का हर पल अहम होता है। मैं इस मुकाबले के लिए पूरी तरह से फिट रहना चाहता हूं। उन्होंने कहा, मैं इसे एक रोमांचक अवसर के रूप में देखता हूं, जो भगवान ने मुझे दिया है। साथ ही कहा कि मैं परिणाम की परवाह किए बिना शानदार प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं उत्साहित हूं और चाहता हूं कि मेरा डेब्यू यादगार बने। मैं जीतने के बारे में इतना जुनूनी नहीं हूं, बल्कि अपने साथियों और प्रशंसकों का सम्मान चाहता हूं। संग्राम जीएएमए में मुख्य फाइट कार्ड के लिए चुने जाने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान हैं। उनका मुकाबला 93 किलोग्राम वर्ग के एमएमए मुकाबले में पाक खिलाड़ी से होगा। उन्होंने कहा, इस तरह के प्रतिष्ठित मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि आप वैश्विक आयोजनों में भाग लेते समय अपने देश को नहीं देखते हैं, तो कुछ कमी है। मैं यहां पहुंचने वाला पहला भारतीय पुरुष पहलवान बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और मेरा लक्ष्य जीत के साथ ही अपने देश को गौरवान्वित करना है। जॉर्जिया में होने वाली इस चैंपियनशिप में मेजबानों के अलावा आर्मेनिया, अजरबैजान, पाकिस्तान और यूक्रेन सहित 5 अन्य देश भी शामिल होंगे। संग्राम को उम्मीद है कि एमएमएस में उनकी यात्रा भारत के युवाओं को इस खेल को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि यह खेल उन युवाओं के लिए है जो अपने जुनून को आगे बढ़ाने और सक्रिय रहने की इच्छा रखते हैं।

पिछले ढाई साल में भारतीय टीम ने जीते हैं 12 टेस्ट

रोहित , विराट और अश्विन की रही है अहम भूमिका

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले ढाई साल में 21 टेस्ट मैच खेलते हुए 12 में जीत हासिल की है जबकि सात में उसे हार का सामना करना पड़ा है जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। सबसे अहम बात ये है कि उसकी जीत में तीन खिलाड़ियों कप्तान रोहित शर्मा, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली , शुभमन गिल और दिग्गज स्पिनर आर अश्विन की अहम भूमिका रही है। इस दौरान रोहित ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने 27 पारियों में करीब 42 की औसत से 1090 रन बनाए हैं। वहीं विराट ने 29 पारियों में 1083 रन बनाए और उनकी औसत 38.67 रही। शुभमन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने 31 पारियों में 37.17 की औसत से 1078 रन बनाए हैं। इन दोनों बल्लेबाजों के नाम चार-चार शतक और तीन-तीन अर्धशतक हैं, जबकि विराट कोहली के नाम दो शतक और तीन अर्धशतक हैं। वहीं युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 2023 में पदार्पण के बाद 1028 रन बनाये हैं, जिसमें तीन शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो रविचंद्रन अश्विन ने 21 मैचों में 2.81 की इकॉनमी रेट से सबसे अधिक 103 विकेट लिए हैं। दूसरे नंबर पर रविंद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह आते हैं। जडेजा ने 16 मैचों में 2.62 की इकॉनमी से 67 विकेट लिए हैं, जबकि बुमराह ने 12 मैचों में लगभग तीन की इकॉनमी से 58 विकेट लिए हैं जबकि मोहम्मद सिराज ने 18 मैचों में 44 विकेट लिए हैं। भारत ने अपनी पिछली टेस्ट सीरीज मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ 4-1 से जीत हासिल की थी।

बाबर आजम लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेजी से 30 वां शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने

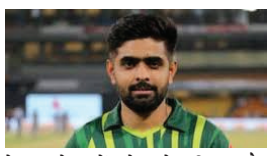

लाहौर। पिछले काफी समय से खराब फार्म से जूझ रहे पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम आजकल घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट चैंपियंस लीग में खेल रहे हैं। यहां बाबर ने शतक लगाकर अपने आलोचकों को जवाब देने का प्रयास किया है। उनका ये शतक काफी समय बाद आया है। बाबर इस शतक के साथ ही लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 30वां शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं और उन्होंने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। बाबर चैंपियंस कप में स्टालियंस टीम की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने 100 गेंदों में नाबाद 104 रन बनाये।बाबर के नाबाद शतक के बल पर स्टालियंस ने डॉल्फिन टीम के खिलाफ 50 ओवर में ही 271 रन बना दिये। इसके बाद स्टालियंस के गेंदबाजों ने डॉल्फिन के बल्लेबाजों को समेट दिया और टीम सस्ते में ही सिमट गयी। इस प्रकार स्टालियंस ने यह मैच 174 रनों से जीत लिया। आजम ने 180 पारियों में अपना 30वां लिस्ट ए क्रिकेट का शतक लगाया जबकि विराट ने ये आंकड़ा 199 पारियां में हासिल किया था। इस सूची में साउथ अफ्रीका के अनुभवी क्रिकेटर हाशिम अमला भी शामिल हैं। उन्होंने 259 पारियों में ही ये उपलबब्धि हासिल की थी। वहीं न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज माटिन गुप्टिल 259 पारियों मे साथ चौथे नंबर पर रहे हैं। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने 262 पारियों में लिस्ट ए क्रिकेट का 30वां शतक लगाया था।

टीम की जरुरत के हिसाब से किसी भी क्रम पर खेलने तैयार हूं : मनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि वह टीम की जरुरत के हिसाब से किसी भी स्थान पर खेलने को तैयार रहते हैं। इसी कारण कई बार वह रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी संभालते हुए भी नजर आते हैं। इसके साथ ही उनका लक्ष्य अगले ओलंपिक में भी खेलना हैं। मनप्रीत के लिए हालांकि ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि वह 32 साल के हैं और ऐसे में उनको अगले ओलंपिक में खेलने के लिए अपनी फिननेस का विशेष ध्यान रखना होगा क्योंकि तब तक वह 36 साल के होंगे। मनप्रीत ने अब तक चार ओलंपिक खेलें है। जिसमें भारतीय टीम को दो कांस्य पदक मिले हैं। मनप्रीत ने कहा, 'मेरा लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी खेलना है पर सब कुछ मेरी फिटनेस पर आधारित रहेगा। अगर मैं अपनी फिटनेस बनाए रखता हूं और अच्छा प्रदर्शन करता रहता हूं तो मैं निश्चित तौर पर अगले ओलंपिक में खेलूंगा। मनप्रीत को फिटनेस को लेकर अभी तक किसी खास समस्या का सामना नहीं करना पड़ा और उन्हें उम्मीद है कि वह आगे भी अपनी फिटनेस बनाए रखेंगे। अभी तक 378 अंतरराष्ट्रीय मैच में 44 गोल करने वाले मनप्रीत का लक्ष्य अपने इस प्रदर्शन को बनाये रखना है। मनप्रीत ने कहा, 'मैं टीम की जरूरत के हिसाब से हमेशा हर तरह की स्थिति में खेलने के लिए तैयार रहता हूं और किसी भी पोजीशन में फिट हो जाता हूं। पेरिस ओलंपिक में ब्रिटेन के खिलाफ हुए मैच में उन्होंने रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी संभाली थी।

व्यापार

शेयर बाजार की तेजी के साथ शुरुआत

सेंसेक्स 400 अंक और निफ्टी 25,500 से अधिक

मुंबई। वैश्विक बाजारों में तेजी के दौरान शुक्रवार को शेयर बाजार की मजबूत शुरुआत हुई। बाजार खुलते ही बीएसई सेंसेक्स 421 अंकों की बढ़त के साथ 0.51 प्रतिशत ऊपर 83,606 पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 50 112 अंक की बढ़त के साथ 25,528 पर कारोबार करता नजर आया। गुरुवार के उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 236.57 अंक की बढ़त के साथ 83,184.80 पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स ने 83,773.61 का अब तक का उच्चतम स्तर भी छुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा महामारी के बाद ब्याज दर में पहली कटौती की घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी देखने को मिली। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 236.57 अंक की बढ़त लेकर 83,184.80 के उच्च स्तर पर बंद हुआ। इंट्राडे कारोबार के दौरान यह इंडेक्स 83,773.61 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 38.25 अंक बढ़कर 25,415.80 के नए शिखर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की ही तरह, इंट्राडे कारोबार के दौरान यह इंडेक्स 25,611.95 के सार्वजनिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वहीं जापान के निक्केई 225 सूचकांक में 1.76 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली, जो प्रमुख बाजारों में अग्रणी रहा। वहीं ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 सूचकांक 0.2 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ आगे बढ़ा। जापान का व्यापक टॉपिक्स सूचकांक भी 1.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ मजबूत रहा। दक्षिण कोरिया का ब्लू-चिप कोस्पी सूचकांक 1.45 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मजबूती दिखा, वहीं छोटे शेयरों के बाजार कोसदाक ने भी 1.51 प्रतिशत की बढ़ोतरी हासिल की। हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 18,177 के स्तर पर थे, जो कि एचएसआई के पिछले बंद स्तर 18,013 से अधिक है। वहीं मुख्य भूमि चीन के ब्लू चिप सीएसआई 300 से जुड़े फ्यूचर्स 3,198.8 पर थे, जो सीएसआई 300 इंडेक्स के पिछले बंद स्तर 3,196 से थोड़ा अधिक हैं।

सोने का भाव 73,500 रुपए, चांदी पहुंची 90 हजार के पार

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। शुक्रवार को सोने के वायदा भाव 73,500 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 90,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई लेकिन सोने के वायदा भाव बाद में सुधर गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉंट्रेक्ट 181 रुपये की तेजी के साथ 73,619 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 64 रुपये की तेजी के साथ 73,502 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 24 रुपये की तेजी के साथ 89,992 रुपये पर खुला। इस समय यह 87 रुपये की तेजी के साथ 90,055 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। लेकिन बाद में भाव चढ़ गए। चांदी की शुरुआत नरमी के साथ ही हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,611.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,614.60 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 2.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,616.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.11 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.42 डॉलर था। फिलहाल यह 0.02 डॉलर की गिरावट के साथ 31.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पीयूष गोयल 21वीं आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों की बैठक में लेंगे भाग

वाणिज्य मंत्री वियनतियाने, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक का करेंगे दौरा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 21वीं आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों (एईएम-भारत) और 12वीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आर्थिक मंत्रियों की बैठकों (ईएएस ईएमएम) में भाग लेंगे। वाणिज्य मंत्री इन दोनों बैठकों में शामिल होने के लिए 20-21 सितंबर 2024 को वियनतियाने, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक (लाओस) का दौरा करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि एईएम-भारत की बैठक में मंत्रीगण आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा के लिए वार्ता में प्रगति की समीक्षा करेंगे। इस दौरान पीयूष गोयल दो संस्थागत बैठकों के दौरान भाग लेने वाले देशों के अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इसके अलावा वाणिज्य मंत्री मेजबान देश लाओ पीडीआर के मंत्री और कोरिया, मलेशिया, स्विट्जरलैंड और म्यांमार के दौरे पर आए मंत्रियों के साथ बैठकें करेंगे। गोयल आसियान महासचिव और एशिया और प्रशांत के लिए एक प्रमुख शोध संस्थान ईआरआईए के अध्यक्ष से भी मिलेंगे। इसके साथ ही वाणिज्य मंत्री लाओ पीडीआर में भारतीय प्रवासियों के साथ भी बातचीत करेंगे और भारत के साथ-साथ आसियान के एक उद्योग प्रतिनिधिमंडल से भी मिलेंगे। मंत्रालय के मुताबिक आसियान की अपने संवाद भागीदारों के साथ ये सालाना बैठकें इस वर्ष लाओ पीडीआर के द्वारा आयोजित की जा रही हैं, जो वर्ष 2024 के लिए आसियान का अध्यक्ष है। ईएएस-ईएमएम में 10 आसियान देशों और 8 अन्य ईएएस भागीदारों में भारत, अमेरिका, रूस, चीन, जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के आर्थिक मामलों के मंत्री भाग ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत 1992 में आसियान में शामिल हुआ और 2022 में इसका व्यापक रणनीतिक साझेदार बन गया। आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति के केंद्र में है, जिसकी घोषणा 2014 में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी।

रुपया नौ पैसे की बढ़त के साथ 83.56 डॉलर पर

मुंबई। रुपये में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में यह नौ पैसे की बढ़त के साथ 83.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार में मजबूती और अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से यह तेजी आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कम कीमतों ने भी रुपये को समर्थन दिया, हालांकि विदेशी पूंजी की निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.63 पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.56 प्रति डॉलर पर पहुंच जो पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.65 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत गिरावट के साथ 100.24 पर रहा।

एक्सिस बैंक बन सकता है सबसे बड़ा यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर

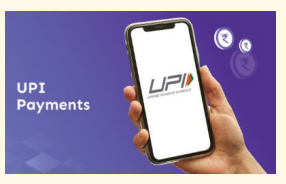

नई दिल्ली, 20 सितंबर (हि.स.)। यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइड करने के मामले में एक्सिस बैंक देश के सबसे बड़े यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर यस बैंक को पछाड़ने की स्थिति में आ गया है। नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर के महीने में ही एक्सिस बैंक इस मामले में यस बैंक वह पीछे छोड़ते हुए आगे निकल जाएगा। एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार यस बैंक ने अगस्त 2024 में पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर बैंक के रूप में कुल 5.14 अरब ट्रांजैक्शन किया, जबकि इसी अवधि में एक्सिस बैंक ने 5.13 अरब ट्रांजैक्शन किया। हालांकि दोनों बैंकों के बीच का ट्रांजैक्शन गैप पिछले साल अगस्त के महीने में 1.50 अरब का था। यानी 1 साल की अवधि में ट्रांजैक्शन गैप में काफी कमी आ गई है। यूपीआई पेमेंट सर्विस के लिए यस बैंक और देश के सबसे बड़े यूपीआई सर्विस प्रोवाइडर फोन-पे के बीच सर्विस पार्टनरशिप है। इसी सर्विस पार्टनरशिप की वजह से यस बैंक यूपीआई पेमेंट सर्विस के मामले में अभी तक सबसे बड़ा सर्विस प्रोवाइडर बना हुआ था। ऐसी स्थिति में एनपीसीआई में सभी यूपीआई एप्स को किसी खास बैंक पर अपने निर्भरता कम करने और कस्टमर के लिए मल्टीपल वर्चुअल पेमेंट ऐड्रेस (एमवीपीए) बनाने का निर्देश दिया था। ऐसा होने पर फोन-पे ने किसी भी संकट की स्थिति को टालने के लिए नई रणनीति बनाते हुए एक्सिस बैंक के साथ भी सर्विस पार्टनरशिप कर ली। बताया जा रहा है कि एक्सिस बैंक ने फोन-पे को यस बैंक की तुलना में ज्यादा पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर फीस देने की बात भी मंजूर कर ली है। ऐसी स्थिति में फोन-पे नए कस्टमर्स को एक्सिस बैंक के गेटवे के साथ जोड़ रहा है। इसके साथ ही धीरे-धीरे वो यस बैंक के मौजूदा कस्टमर को भी एक्सिस बैंक के प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर रहा है। एक्सिस बैंक के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि एक्सिस बैंक एक साथ कई यूपीआई एप्स के साथ काम कर रहा है।

टोविनो थॉमस की फिल्म अजयंते रंदम मोशनम का बॉक्स ऑफिस पर तूफान

पांच दिन में वर्ल्डवाइड 50 करोड़ कमाई की

मिन्नल मुरली फेम एक्टर टोविनो थॉमस की फिल्म अजयंते रंदम मोशनम (एआरएम) इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है. एआरएम एक मलयालम एक्शन-एडवेंचर फिल्म है, जिसका निर्देशन जितिन लाल ने किया है. फिल्म 12 सितंबर, रिलीज हुई थी. डॉ. जकारिया थॉमस के साथ, मैजिक फ्रेम्स और यूजीएम मोशन पिक्चर्स के बैनर तले लिस्टिन स्टीफन द्वारा निर्मित यह 3 डी फिल्म उत्तरी केरल में नायकों की तीन पीढ़ियों से जुड़ी है. एआरएम में कृति शेट्टी, ऐश्वर्या राजेश, सूरभि लक्ष्मी, बेसिल जोसेफ, जगदीश, हरीश उथमन, हरीश पेराडी, कबीर सिंह, प्रमोद शेट्टी और रोहिणी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं. एआरएम में, टोविनो ने तीन अलग-अलग किरदारों- कुंजिकेलु, मनियन और अजयन को प्रभावशाली ढंग से चित्रित किया है. टोविनो थॉमस की एआरएम ओणम के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. जिसका फिल्म को भरपूर फायदा भी मिला है. फिल्म ने पांच दिन में 50 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. हालांकि फिल्म का बजट लगभग 30 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. इस तरह टोविनो थॉमस की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार पकड़ ली है. वैसे भी मलयालम फिल्म को लेकर एक ट्रेंड रहा है कि ये फिल्म बहुत तेज रफ्तार से नहीं बल्कि धीमी रफ्तार से ही बॉक्स ऑफिस पर अपना सफर तय करती रहती हैं और अच्छी कहानी और एक्टिंग के दम पर कामयाबी की इबारत लिख देती हैं. एआरएम फिल्म के एक्टर टोविनो थॉमस पिछले कुछ समय में मलयालम के मजबूत एक्टर के तौर पर उभरकर सामने आए हैं. उनकी फिल्म 2018, 2023 में रिलीज हुई थी और इस फिल्म को भी खूब पसंद किया गया था. इसके बाद 2024 में टोविनो थॉमस की अन्वेषीप्पिन कांडेथुम रिलीज हुई थी, जिसमें उन्होंने एक पुलिस अफसर के किरदार को निभाया था और इसकी भी जमकर तारीफ हुई थी. टोविनो थॉमस की आने वाली फिल्मों की बात करें तो इनमें एल2: एम्पुरान और आइडेंटिटी जैसी फिल्में शामिल हैं.

शोभिता धुलिपाला की लव सितारा का ट्रेलर रिलीज

आधुनिक रिश्तों पर आधारित है फिल्म

वंदना कटारिया के निर्देशन में बनी फिल्म लव सितारा को जी5 पर डायरेक्ट-टू-ओटीटी रिलीज मिल गई है। शोभिता धूलिपाला और राजीव सिद्धार्थ अभिनीत यह फिल्म एक ऐसे परिवार की कहानी के साथ लोगों का दिल जीतने के लिए तैयार है, जिसमें हाईवोल्टेड ड्रामा, शादी में अशांति और रहस्य शामिल हैं। रिलीज से पहले, निर्माताओं ने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाने के लिए फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म लव सितारा का ट्रेलर रिलीज हो गया। 27 सितंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर प्रीमियर के लिए तैयार इस फिल्म की कहानी तारा (शोभिता धूलिपाला) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक स्वतंत्र इंटीरियर डिजाइनर हैं। दूसरी ओर अर्जुन (सिद्धार्थ) एक भावुक शेफ हैं और अंतरराष्ट्रीय सफलता के शिखर पर पहुंच चुके हैं। ट्रेलर के अनुसार, लव सितारा प्यार, स्वीकृति और क्षमा की एक सम्मोहक कहानी प्रस्तुत करती है। कहानी तब और सघन हो जाती है जब अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण तारा और अर्जुन दो पूरी तरह से अलग लोगों के बीच जल्दबाजी में शादी का प्रस्ताव आता है।<फिल्म आधुनिक रिश्तों की चुनौतियों, पारिवारिक अपेक्षाओं और असुविधाजनक वास्तविकताओं का सामना करने के लिए आवश्यक साहस की पड़ताल करती है। शोभिता ने इंस्टाग्राम पर अपनी अगली फिल्म का ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, इस मधुर और विनम्र पारिवारिक ड्रामा को प्रस्तुत करते हुए हमने केरल में कोविड लॉकडाउन के दौरान कुछ बहुत ही अनोखी चुनौतियों का सामना करते हुए शूट किया। मेरे लिए सितारा का किरदार अनोखा और खास रहा है। रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित लव सितारा को प्यार, दिल टूटने और आत्म-खोज की कहानी के रूप में वर्णित किया गया है। फिल्म में शोभिता और राजीव के अलावा सोनाली कुलकर्णी हैं। यह फिल्म 27 सितंबर को जी5 और ओटीटीप्ले प्रीमियम पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी।

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर स्त्री 2 ने रचा इतिहास, बनी इंडिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

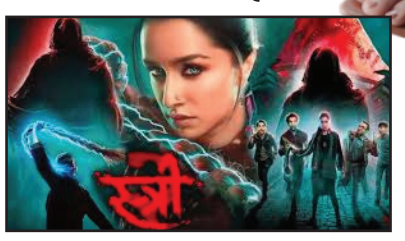

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 ने इतिहास रच दिया है. स्त्री 2 बीती 15 अगस्त को रिलीज हुई थी. फिल्म ने 17 सितंबर तक अपनी रिलीज के 34 दिन पूरे कर लिए हैं. स्त्री 2 आज 18 सितंबर को 35वें दिन में चल रही है. स्त्री 2 ने इन 34 दिनों में इंडियन सिनेमा की घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म जवान, पठान, एनिमल, गदर 2, केजीएफ 2 और बाहुबली 2 को पछाड़ नंबर वन का टैग अपने नाम कर लिया है. इसी के साथ स्त्री 2 इंडियन सिनेमा की घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. जवान ने भारत में सभी भाषाओं में 640.25 करोड़ रुपये कारोबार किया था और हिंदी भाषा में 582.31 करोड़ रुपये कमाए थे. जवान का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1160 करोड़ रुपये का है. स्त्री 2 ने अब जवान के लाइफटाइम कलेक्शन 583 करोड़ रुपये को बीट कर 583.30 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. वहीं, इन 34 दिनों में फिल्म का घरेलू ग्रॉस कलेक्शन 668.75 करोड़ रुपये हो चुका है. फिल्म ने ओवरसीज में 130 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. स्त्री 2 ने 34वें दिन 3.1 करोड़ रुपये कमाए हैं.

अविका गौर बैकलैस गाउन पहन गिराई बिजली

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

टीवी के फेमस शो बालिका वधू में छोटी सी आनंदी का किरदार निभाकर एक्ट्रेस अविका गौर ने हर भारतीय घर में अपनी एक अलग पहचान बना ली थी। एक्ट्रेस लंबे समय तक शो का हिस्सा रहीं और लोगों को उनकी एक्टिंग खूब पसंद आई थी। इसके बाद अविका को टीवी सीरियल ससुराल सिमर का में रोली के किरदार में देखा गया था। बालिका वधू फेम एक्ट्रेस अविका गौर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह बेहद हॉट और ग्लैमरस लग रही हैं. एक्ट्रेस ने ऑरेंज कलर का बैकलैस गाउन पहना हुआ है और उनका लुक काफी बोल्ड है. अविका गौर की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है. फैंस एक्ट्रेस की खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. कुछ यूजर्स ने तो यह तक कह दिया कि अविका गौर की हॉटनेस ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. बता दें कि अविका गौर ने अपने करियर की शुरुआत बालिका वधू सीरियल से की थी. इस सीरियल में उन्होंने एक बाल विवाह की शिकार लड़की का किरदार निभाया था. इस सीरियल के बाद अविका गौर कई और टीवी सीरियल्स और फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. छोटे पर्दे की मशहूर अदाकारा अविका गौर ने अपने डेब्यू सीरियल बालिका वधू से दर्शकों के दिलों में बस गई। अविका गौर टीवी की उन एक्ट्रेस में से हैं जिन्होंने अपने दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

सनी लियोन और प्रभुदेवा स्टारर गाना पेट्टा रैप का टीजर हुआ रिलीज

27 को दस्तक देगा फुल सिंगल

सनी लियोन और प्रभुदेवा की धमाकेदार जोड़ी एक बार फिर से दर्शकों के दिलों पर राज करने के लिए तैयार है. हाल ही में इन दोनों स्टार्स के नए गाने पेट्टा रैप का टीजर रिलीज कर दिया गया है. इस टीजर में सनी लियोन और प्रभुदेवा की जबरदस्त केमिस्ट्री और एनर्जेटिक डांस मूव्स नजर आ रहे हैं, जिसने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है. जब सनी से उनके अनुभव के बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, हमने इस फास्ट बीट नंबर को थाईलैंड में शूट किया है। मैं प्रभुदेवा सर की बहुत बड़ी फैन हूं। वह अपने इनोवेटिव और इलेक्ट्रिक डांस मूव्स के लिए जाने जाते हैं। मैं उनके स्टेप्स के साथ अपने स्टेप्स मिलाने की कोशिश में घबरा रही थी। मुझे लगता है कि मैंने इसे ग्रेसफुली निभाया है। जैसे ही सनी ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा, यह उनके करियर में एक और माइलस्टोन साबित हुआ। पेट्टा रैप में उनका प्रजेंस इस गाने की एनर्जी और डायनामिक कोरियोग्राफी का जबरदस्त कमाल है। यह धमाकेदार गाना 27 सितंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होने वाला है. सनी लियोन और प्रभुदेवा के फैंस बेसब्री से इस गाने के फुल वर्जन का इंतजार कर रहे हैं. पेट्टा रैप की झलक ने ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, जिससे यह साफ है कि फुल सिंगल भी धमाका करने वाला है.

एक्ट्रेस और इंफ्लुएंसर रीवा अरोड़ा की नहीं पता किसी को रियल एज

कम उम्र में ही बना ही करोड़ों की प्रॉपर्टी

एक्ट्रेस और इंफ्लुएंसर रीवा अरोड़ा फिल्म उरी और छत्रीवाली के लिए जानी जाती हैं. उन्होंने बहुत कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था और खूब नेम-फेम कमाया. वो सबसे अमीर चाइल्ड एक्टर्स में से एक हैं. हालांकि, रीवा अपनी एज को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी में रहती हैं. रीवा की फैमिली के हिसाब से वो 17 साल की हैं और उनका जन्म 2007 में हुआ है. हालांकि, कुछ फैंस ने रीवा के चार साल पुराने इंटरव्यू को प्वॉइंटआउट किया, जिसमें वो अपनी उम्र 9 साल बता रही हैं. रीवा की उम्र को लेकर उन्होंने कहा था- मैं इसे लेकर क्या कहूं? जो लोग मेरी उम्र और जो मैं कर रही हूं उसे लेकर शक कर रहे हैं उनके लिए मेरे पास कुछ कहने के लिए नहीं है. जो लोग मुझे प्यार देते हैं वो मेरे लिए काफी हैं. बता दें कि 2022 में रीवा की एक्टर करण कुंद्रा संग रोमांस करते हुए एक रील्स वायरल हुई थी, जिसे लेकर काफी विवाद हुआ था. करण कुंद्रा को चाइल्ड एक्टर संग म्यूजिक वीडियो में रोमांस करने की वजह से ट्रोलिंग झेलनी पड़ी थी. रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस की नेटवर्थ तकरीबन 8.2 करोड़ है. रीवा अरोड़ा लग्जरी लाइफ स्टाइल मेंटेन करती हैं. उन्हें लग्जरी गाडिय़ों का शौक है. रीवा के पास 40 लाख की ऑडी है. बता दें कि रीवा ने 2019 में फिल्म उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक से डेब्यू किा था. इस फिल्म में उनकी काफी तारीफ हुई थी. उनकी एक्टिंग को क्रिटिक्स ने भी सराहा था. वर्क फ्रंट पर ने फिल्म भारत, सेक्शन 375, गुंजन सक्सेना: द करगिल गर्ल, बंदिश बैंडिट्स, टीवीएफ ट्रिपलिंग जैसे प्रोजेक्ट किए हैं.

द बकिंघम मर्डर्स की हालत हुई खराब, लाखों कमाने में भी छूट रहे पसीने

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान की फिल्म द बकिंघम मर्डर्स हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. इस फिल्म से काफी उम्मीदें थी लेकिन इसकी शुरुआत बेहद ठंडी रही. हालांकि वीकेंड पर फिल्म की कमाई में थोड़ी तेजी भी देखी गई लेकिन अब वीकड़ेड में ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लुढ़क चुकी है और मुश्किल से कमाई कर रही है. चलिए यहां जानते हैं द बकिंघम मर्डर्स ने रिलीज के पांचवें दिन .यानी पहले मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है? क्राइम थ्रिलर द बकिंघम मर्डर्स मां करीन कपूर खान ने लीड रोल प्ले किया है. फिल्म में उनकी जबरदस्त एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है लेकिन द बकिंघम मर्डर्स बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनकर परफॉर्म कर रही है. इस फिल्म की ओपनिंग बेहद खराब रही थी इसके बाद भी ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत नहीं कर पाई. दरअसल फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच नहीं पा रही है. वहीं पिछले पांच हफ्तो से बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही स्त्री 2 भी द बकिंघम मर्डर्स को टिकने नहीं दे रही है. जिसके चलते रिलीज के पांच दिन बाद भी करीना की ये फिल्म 10 करोड़ का आंकड़ा नहीं छू पाई है. वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने पहले दिन 1.15 करोड़, दूसरे दिन 1.95 करोड़,तीसरे दिन 2.15 करोड़ और चौथे दिन 80 लाख की कमाई की. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 5वें दिन यानी पहले मंगलव की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द बकिंघम मर्डर्स ने रिलीज के 5वें दिन यानी पहले मंगलवार को 75 लाख की कमाई की है. इसके बाद द बकिंघम मर्डर्स का 5 दिनों का कुल कलेक्शन अब 6.80 करोड़ रुपये हो गया है. द बकिंघम मर्डर्स को दर्शको से बेहद ठंडा रिस्पॉन्स मिला है. ये मर्डर मिस्ट्री फिल्म सिनेमाघरों में दर्शको के लिए तरसती हुई नजर आ रही है. द बकिंघम मर्डर्स को रिलीज हुए 5 दिन हो चुके हैं और ये 10 करोड़ का आंकड़ा छूने से अभी भी काफी दूर है. फिल्म जिस धीमी स्पीड से आगे बढ़ रही है उसे देखते हुए तो इसका जल्द ही पैकअप होता नजर आ रहा है. ऐसे में ये फिल्म मेकर्स के लिए घाटे का सौदा बन गई है.